सागर रत्न

हिंदी गृह पत्रिका 2018 - 19

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LIMITED
(एक मिनिरत्न सूचीबद्ध कंपनी)
(A MINIRATNA LISTED COMPANY)
भारत सरकार का उद्यम A GOVERNMENT OF INDIA ENTERPRISE

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
COCHIN SHIPYARD LIMITED
(एक मिनिरत्न सूचीबद्ध कंपनी)
(A MINIRATNA LISTED COMPANY)
भारत सरकार का उद्यम A GOVERNMENT OF INDIA ENTERPRISE

सागर रत्न

हिंदी गृह पत्रिका 2018 - 19

अध्यक्ष की कलम से 01

पोत परिवहन मंत्रालय के नए मंत्री
श्री मनसुख एल मांडविया 02

राजभाषा समाचार 03

पुरस्कार 19

विशिष्ट घटनाएं 22

सीएसएल में सीएसआर 26

लेख 28

औपचारिक घटनाएं 42

राजभाषा अधिनियम 48

हिंदी व्याकरण 49

मुख्य परियोजनाएं 50

बाल रचनाएं 52

पहेली बुझाओ 54

चुटकुले 55

संपादक मंडल

संरक्षक
श्री मधु एस नायर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक
श्री रमेष के जे
मुख्य महाप्रबंधक
(मानव संसाधन एवं प्रशिक्षण)

संपादक सदस्य

श्री पी एन संपत्त कुमार
सहायक महाप्रबंधक (प्रशासन)

श्रीमती सरिता जी
सहायक प्रबंधक (हिंदी)

श्रीमती लिजा जी एस
हिंदी अनुवादक

श्रीमती आतिरा आर एस
हिंदी टंकक

पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से कोचीन शिपयार्ड का सहमत होना आवश्यक नहीं है ।

अध्यक्ष की कलम से...

कोचीन शिपयार्ड की हिंदी गृह पत्रिका सागर रत्न का 11वाँ अंक प्रकाशित करने में मुझे बहुत आनंद महसूस हो रहा है। यह, राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने की दिशा में एक और सराहनीय प्रयास है। मैं आशा करता हूँ कि यह आपको एक सुहावना अनुभव देगा।

मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि, पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को राजभाषा कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ निष्पादन हेतु भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2018-19 के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार और पोत परिवहन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2018-19 के लिए राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया है।

मैं इस अवसर पर हमारे पोत परिवहन मंत्रालय के नए राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री मनसुख लाल मांडविया का हार्दिक रूप से स्वागत करता हूँ। वे पिछले सरकार में हमारे राज्य मंत्री रह चुके हैं और इस क्षेत्र में चुनौतियों और स्पष्टताओं से अच्छी तरह से वाकिफ हैं।

वित्त वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही में सीएसएल को पोत निर्माण और पोत मरम्मत दोनों में लगातार वृद्धि हुई है। यह इस अवधि के दौरान ही हमने भारतीय नौसेना के साथ आठ (08) एंटीसबमराइन वारफेयर शालो वाटर क्राफ्ट्स (एएसडब्ल्यूएसडब्ल्यूसीएस) के निर्माण के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इस प्रतिष्ठित परियोजना के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी निविदा में सीएसएल सफल बोलीदाता (एल1) था।

हमने अब तक मालिकों को पाँच मत्स्य-ग्रहण जहाज़ों का डिज़ाइन, निर्माण और वितरण किया है, और ग्यारह ऐसे जहाज़ों को वितरित किया जाना है। प्राप्त प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक है। हमें यकीन है कि यह मछुवारों के समुदाय के लाभ के लिए एक परियोजना है, जो उनके जीवन को बदल देगा।

तेज़ी से बढ़ रही दुनिया में हर एक व्यक्ति को कार्यस्थल में विभिन्न भाषाई समूहों का सामना करना पड़ता है और यहाँ एक कड़ी भाषा के रूप में हिंदी का ज्ञान अनिवार्य है। हमारा हिंदी कक्ष इस दिशा में बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहा है।

मैं, सागर रत्न के पूरे दल को बधाई देते हुए.....

जय हिंद।

मधु एस नायर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

पोत पखिहन मंत्रालय के नए मंत्री श्री मनसुख एल. मांडविया

संसद की विभिन्न महत्वपूर्ण स्थाई समितियों यथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, रसायन और उर्वरक तथा उद्योग का हिस्सा रहे हैं ।

श्री मनसुख एल मांडविया ने दिनांक 19 सितंबर 2019 को कोचीन शिपयार्ड का दौरा किया। आगमन के दौरान, उन्होंने आईएसआरएफ में स्थित मैरीटाइम पार्क का उद्घाटन किया । उन्होंने कोचीन शिपयार्ड के कार्य-निष्पादन की समीक्षा की एवं यहां चल रहे स्वच्छ भारत अभियान के गतिविधियों का अवलोकन भी किया । श्री मनसुख एल मांडविया ने शिपयार्ड में हुए स्वच्छ भारत अभियान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेते हुए शिपयार्ड के कर्मचारियों को संबोधित किया जिसमें उन्होंने एकल उपयोग प्लास्टिक पर ज़ोर देकर यह संदेश फैलाया कि **"हम एक छोटा-सा कदम उठाकर बडी सफलता हासिल कर सकते हैं।"**

श्री मनसुख एल. मांडविया ने 31 मई 2019 को नई दिल्ली में केन्द्रीय पोत परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। श्री मांडविया पिछली सरकार में केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग, पोत-परिवहन और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री थे। श्री मांडविया 2012 से राज्यसभा के सदस्य हैं।

वे उन गिने चुने राजनीतिज्ञों में से एक हैं जो विद्वान होने के साथ साथ जनता में लोकप्रिय भी हैं। उनकी संगठन योग्यता को पार्टी में वरिष्ठ नेताओं द्वारा पहचाना गया । उन्हें वर्ष 2002 में 28 वर्ष की आयु में गुजरात के सबसे युवा विधानसभा सदस्य बनने का गौरव प्राप्त है। वे कई वर्षों तक

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के लिए कीर्ति पुरस्कार

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को वर्ष 2018-19 के लिए राजभाषा हिंदी के सर्वोत्तम कार्यान्वयन हेतु भारत सरकार के गृह मंत्रालय से सर्वोच्च राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 14 सितंबर, 2019 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में

आयोजित हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, सीएसएल ने श्री अमित शाह, माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में श्री नित्यानंद राय, माननीय गृह राज्य मंत्री से पुरस्कार ग्रहण किया। पूरे भारत में कोचीन शिपयार्ड ग-क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तीसरे स्थान पर रहा, और कोचीन शिपयार्ड दूसरी बार यह पुरस्कार जीत रहा है। वर्ष 2017-18 में भी सीएसएल ने यह पुरस्कार माननीय उप राष्ट्रपति से ग्रहण किया था। सीएसएल को पिछले कई वर्षों से हिंदी के कार्यान्वयन के लिए मंत्रालय द्वारा सम्मानित किया गया है।

कोचीन शिपयार्ड में हिंदी पखवाडा समारोह

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता तथा उसके उत्तरोत्तर प्रयोग में गति लाने के उद्देश्य से हर वर्ष सितंबर माह में कार्यालय में हिंदी पखवाडा मनाया जाता है। इस वर्ष भी कोचीन शिपयार्ड में दिं. 14 से 28 सितंबर 2018 तक हिंदी

पखवाडा समारोह बडी धूमधाम से मनाया गया। लोगों में हिंदी भाषा केलिए विकास की भावना केवल हिंदी दिवस तक ही सीमित न कर उसे और अधिक बढाना भी हिंदी पखवाडा समारोह का मुख्य उद्देश्य है। इस उद्देश्य से हमने हिंदी में विविध प्रतियोगिताएं बडी उमंग के साथ आयोजित की।

कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों केलिए हिंदी में स्मृति परीक्षा, टिप्पण और आलेखन एवं पत्र लेखन, निबंध लेखन, चित्र क्या कहता है, भाषण, हिंदी टंकण, अनुवाद एवं प्रशासनिक शब्दावली, गद्यांश वाचन, समाचार वाचन, प्रश्नोत्तरी, हिंदी गीत (पुरुषों और महिलाओं केलिए अलग- अलग) आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अलावा, कंपनी के प्रशिक्षार्थियों और ठेके कर्मचारियों केलिए भी हिंदी में सुलेख, गद्यांश वाचन, स्मृति परीक्षा, हिंदी गीत, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। साथ ही कर्मचारियों के बच्चों केलिए हिंदी में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं में कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों, प्रशिक्षार्थियों, ठेके कर्मचारियों तथा कर्मचारियों के बच्चों ने बडी उमंग- उत्साह से तथा सक्रिय रूप से भाग लिया। पिछले वर्ष से ज्यादा इस वर्ष अधिकारियों, कर्मचारियों तथा ठेके कर्मचारियों एवं प्रशिक्षार्थियों ने अधिक संख्या में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। तकनीकी कर्मचारियों ने भी इन प्रतियोगिताओं में बढ-चढ कर हिस्सा लिया।

तेवरा पंडिट करुप्पन मेम्मोरियल लाइब्रेरी केलिए पुस्तकों का उपहार

कोचीन शिपयार्ड द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार एवं प्रसार केवल अपने कार्यालय परिसर के अंदर मात्र सीमित न रहकर अपने आसपास के समाज में भी इसे फैलाने केलिए प्रयास करने में भी तत्पर है। आम जनता को भी हिंदी के प्रति दिलचस्पी लाने केलिए हम प्रयासरत है। इसी उद्देश्य के साथ हिंदी पखवाडा समापन समारोह के अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय श्री मधु एस नायर द्वारा तेवरा पंडिट करुप्पन मेम्मोरियल लाइब्रेरी केलिए हिंदी पुस्तकें प्रदान की गई। श्री पीटर सेवियर, अध्यक्ष, पीकेएम लाइब्रेरी ने पुस्तकें स्वीकार की।

समापन समारोह

हिंदी पखवाडा समारोह का समापन समारोह दिनांक 01 नवंबर, 2018 को बडी धूमधाम से आयोजित किया गया। श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक समारोह के मुख्यातिथि थे। समारोह में श्री पॉल रंजन, निदेशक (वित्त), मुख्य महा प्रबंधकों एवं महा प्रबंधकों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे। समापन समारोह की औपचारिक शुरूआत श्री आतिरा ए ए की ईश्वर वंदना के साथ शुरू हुई। आगे, श्रीमती सरिता जी, सहायक प्रबंधक (हिंदी) ने मंच में उपस्थित श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री पॉल रंजन, निदेशक (वित्त), सभी वरिष्ठ अधिकारियों, सभा में उपस्थित अन्य अधिकारीगण तथा स्कूली छात्रों एवं कर्मचारियों को हार्दिक रूप से स्वागत किया। इसी के साथ उन्होंने प्रतिष्ठित राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्त करने केलिए कोचीन शिपयार्ड के हरेक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके द्वारा दी गयी प्रेरणा एवं सहयोग केलिए तहे दिल से धन्यवाद अदा किया। साथ ही उन्होंने अपने स्वागत भाषण में यह भी बताया कि श्री एम डी वर्गीस, मुख्य महा प्रबंधक एवं श्रीमती टी पी गिरिजा, वरिष्ठ प्रबंधक अगले समारोह केलिए हमारे साथ नहीं होंगे। वे दोनों सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उनके नेतृत्व से ही हमने यह पुरस्कार हासिल किया है। उनके द्वारा दिए मार्दर्शन, प्रेरणा और सहयोग केलिए भी उन्होंने इस अवसर पर उन दोनों को धन्यवाद व्यक्त किया। बाद में हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा दिए संदेश को श्रीमती सुमी एस, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी केलिए पढकर सुनाया। इसके बाद श्रीमती कार्तिका एस नायर, सहायक प्रबंधक ने अपने मधुर आवाज से सभी को हाथ में ले लिया।

आगे श्री मधु एस नायर ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उन्होंने सबसे पहले केरल पिरवी के दिन पर सभी को शुभकामनाएं दी। बाद में कोचीन शिपयार्ड को वर्ष 2017-18 के दौरान राजभाषा के उत्तम निष्पादन केलिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्त होने से संबंधित अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि कोचीन शिपयार्ड के इतिहास में पहली बार यह पुरस्कार प्राप्त किया है। इस पुरस्कार को भारत के माननीय उप राष्ट्रपति श्री वेंकया नायडु जी के करकमलों से प्राप्त करने से मैं गर्व महसूस करता हूँ। साथ ही विज्ञान भवन जैसे अत्यधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करनेवाले इस स्थान में उपस्थित रहने से मुझे बडी खुशी हुई। कंपनी को पुरस्कार प्राप्त करने केलिए श्रीमती गिरिजा टी पी, वरिष्ठ प्रबंधक और उनके टीम को उन्होंने बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर, पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान श्री वैंकया नायडु जी द्वारा बताए वचनों को याद किया कि हमारी मातृभाषा सबसे महत्वपूर्ण है इसलिए कि यह हमारी आंतरिक भावनाओं से आती है और इसे प्रभावी रूप में व्यक्त कर सकते हैं और हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा है, राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है, हमें अन्य भाषाओं के साथ हिंदी को बढाने केलिए अपने आप में प्रतिबद्ध रहना चाहिए। यह हमारे देश को सशक्त करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि भारत विविध भाषाओं एवं संस्कृति से जुडे हुए है। हिंदी भाषा हमें एक साथ जोडनेवाली कडी है। हिंदी का प्रयोग करने से हमारे बीच भारतीयता की भावना भी अधिक बढ गयी है। अब कोचीन शिपयार्ड दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे राज्यों में विजिनेस स्थापित कर रहा है, तब वहां हिंदी ही मुख्य भाषा रहेगी। इसलिए हर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी जानने और पढने की प्रतियोगिताओं में विजेता बने छात्रों, कर्मचारियों के बच्चों एवं कर्मचारियों तथा प्रशिक्षार्थियों को बधाई दी। अध्यक्ष महोदय ने हिंदी कक्ष द्वारा भविष्य में उठाये जानेवाले सभी प्रयासों केलिए शुभकामनाएं भी दी।

इसके बाद पुरस्कार वितरण आयोजित किया। इस अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं में विजेता बने स्कूली छात्रों, कर्मचारियों के बच्चों, कर्मचारियों तथा प्रशिक्षार्थियों एवं ठेके कर्मचारियों को स्मृतिचिह्न, प्रमाणपत्र एवं नकद पुरस्कार अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) आदि द्वारा प्रदान किया गया। इसके बाद श्री श्रीकुमार एम पी ने करोके की सहायता से एक गीत सभी केलिए पेश किया जो बहुत ही मनोरंजक था। आगे, श्रीमती बिन्दु कृष्णा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उन्होंने हार्दिक रूप से अध्यक्ष महोदय और निदेशक (वित्त) को कृतज्ञता ज्ञापित किया। साथ ही, सभा में उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारीगण, स्कूली छात्रों एवं कर्मचारियों को उन्होंने तहे दिल से धन्यवाद अदा किया। अंत में सब मिलकर राष्ट्रगीत गाते हुए कार्यक्रम सफल ढंग से संपन्न हुआ।

हिंदी पखवाडा प्रतियोगिताओं के परिणाम-2018

1. कर्मचारियां

क्र.सं.	मद	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
1	स्मृति परीक्षा	जिल्सी पिनहरो, 3782	विनीता के जी, 3735	शारिका सी शशिधरन, 4580
2	टिप्पण व आलेखन, पत्र लेखन	सुमी एस, 4447	आशा वी राव, 3378	-
3	निबंध लेखन	दिव्या एम पै, 4458	विनीता के जी, 3735	सजिता के नायर, 4193
4	चित्र क्या कहता है	सुमी एस, 4447	दिव्या एम पै, 4458	अनीष इट्टीरा, 3628
5	भाषण	अरुण आर, 3965	राजेष पी, 4633	जयप्रकाश जी के, 2315
6	हिंदी टंकण	दिव्या के वी, 4200	विनीता के जी, 3735	टिल्सन तोमस, 3984
7	अनुवाद व प्रशासनिक शब्दावली	जयप्रकाश जी के, 2315	सुमी एस, 4447	-
8	गद्यांश वाचन	दिव्या एम पै, 4458	दिव्या पी मुरली, 4702	जयप्रकाश जी के, 2315 सुमी एस, 4447
9	समाचार वाचन	अरुण आर, 3965	दिव्या एम पै, 4458	जयप्रकाश जी के, 2315
10	हिंदी फिल्म गीत (पुरुष)	श्रीकुमार एम पी, 4212	रनीष वी एम, 4043	विनीष पी, 3721
	हिंदी फिल्म गीत (महिला)	कार्तिका एस नायर, 4768	शिनु कनक्कन, 4661	मेरी रिन्सी कडुत्तूस, 3777
11	प्रश्नोत्तरी	बिन्दु कृष्णा, 4719 कीर्ति आर, 4172	टिल्सन तोमस, 3984 निर्मल टोम एन, 3910	फिनोष यू एफ, 4665 कोलंदैवेल्लु पी, 3927

2. कर्मचारियों के बच्चे

क्र.सं	मद	प्रथम	सांत्वना
1	भाषण	कृष्णप्रिया ए प्रिया ए आर की सुपुत्री, 3783	1. पृथ्वी राजेष, श्रीमती श्रीजा एस की सुपुत्री, 3776 2. श्रेयस पी सजीव, श्री सजीव पी के का सुपुत्र, 4385

3. प्रशिक्षार्थियों और ठेके कर्मचारियां

क्र.सं.	मद	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
1	सुलेख	अंजली शिवदास, 41112	मिथुनलाल पी जी, 40687	रीतु रश्मी वि आर 87532
2	गद्यांश वाचन	प्रवीण एम के, 87511	जोसफ आकी डी कूत, 40941	अर्चना एन एस 40943
3	स्मृति परीक्षा	गीतू पी टी, 40673	अश्वती पी जॉय, 40534	1. अंजली अशोकन , 40519 2. एन सोना विजयकुमार, 40837 3. डेजिन जॉण, 41127
4	हिंदी फिल्म गीत	वरदा आर,	इन्दुजा मोहन, 40388	जसलिन मेरी सी ए, 87508
5	प्रश्नोत्तरी	विष्णु प्रिया सी डी, 41131 अश्वती पी एच, 87874	मिथुन चक्रवर्ती, 41089 सुजित आर, 41123	पवित्रा एस, 41102 अखिला मरियम, 41136

दसवीं कक्षा में उच्च अंक / ग्रेड प्राप्त किए कर्मचारियों के बच्चे

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम	माता/ पिता का नाम	प्राप्त किए अंक व ग्रेड
1	अनुश्री अनूप	अनूप दास, 4405	100
2	भामा ए बी	ए डी बालसुब्रमण्यन, 4393	97
3	लक्ष्मी प्रवीण एम	प्रवीण नारायणन एम, 3925	97
4	वृन्दा विजयन	वी विजयन, 3015	93
5	एश्वर्या लक्ष्मी	राधाकृष्णन नायर के पी, 2908	92
6	अश्ना अब्सार	अब्सार पी बी, 3404	A+
7	गौरी कृष्णा के	षाजी के, 3067	A+
8	अविरल ब्लैस कोरैया	जेरोम ओब्री कोरैया, 3324	A+
9	नेहा जोषी	जोशी पी अय्यप्पन, 3533	A+
10	अभिरामी टी एस	शिशुपालन के, 3443	A+
11	नेहा तंकराज	तंकराज सी आर, 3917	88
12	जिष्णु आर	राजीव ई एन, 2975	87
13	रेमिता राजेन्द्रन	राजेन्द्रन पी आर, 3032	A
14	जिल्जी वी एस	सहदेवन वी के, 3229	79

स्कूली छात्रों केलिए विविध प्रतियोगिताएं

छात्रों के बीच हिंदी भाषा को बढावा देने के उद्देश्य में, हिंदी पखवाडा समारोह के विशेष कार्यक्रम के रूप में एर्णाकुलम शैक्षिक जिले में स्थित सरकारी स्कूलों के प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों केलिए दिनांक 15 अक्तूबर 2018 को हिंदी में सुलेख, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में क्रमशः जीजीएसएस, तृपूणित्तुरा, जीजीयूजीएस, एर्णाकुलम, ईएमजीएचएस, वेली, सरकारी वोकेशनल हायर सेंकन्डरी स्कूल, चोट्टानिक्करा, सरकारी हाई स्कूल, एलमक्करा आदि विजेता बने।

सभी छात्रों को प्रमाणपत्र, ट्रोफी और नकद पुरस्कार दिया गया। छात्रों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा।

हिंदी कार्यशाला

1. जनवरी- मार्च तिमाही का एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला दिनांक 07.02.2019 (गुरुवार) को मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। श्री रमेश प्रभु, मुख्य अधीक्षक (राजभाषा), एचपीसीएल, कोच्ची कार्यशाला के संकाय थे। सब से पहले उन्होंने सभी भागीदारों को अपना परिचय दिया

और यह बताते हुए आगे बढे कि हिंदी भाषा एक ऐसी भाषा है जो दिलों को जोडता हैं। उन्होंने कुछ पवर पांइट प्रस्तुतिकरण दिखाया और विषय की ओर बढे। भाषा की परिभाषा पूछते हुए सत्र आगे बढा। विभिन्न भाषाओं के कर्मचारियों से भाषा की परिभाषा देने को कहा गया। हिंदी किस प्रकार देश की भाषा बनी उसके विस्तार और लोगों तक उसकी पहुँच इन सभी आयामों को छूते हुए सत्र आगे बढा। कार्यालयों में हिंदी की उपयोगिता को किस प्रकार बढाया जाए इस पर भी चर्चा की गई। एक प्रेरणात्मक कहानी दिखाते हुए उसमें निहित सीख की चर्चा हुई। सभी भागीदार पूरी तरह से कक्षा में विलीन थे। राजभाषा संबंधी प्रावधानों को छोटा-छोटा नुस्का बनाकर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पेश किया गया। कक्षा बहुत ही रोचक और दिलचस्प था। आगे बढते हुए सभी भागीदारों से अपना परिचय करवाया और अपने- अपने विचार पेश करने को कहा गया। सीएसएल में नए नियुक्त कार्यपालकों केलिए इस कार्यशाला का अनुभव एक सुनहरा मौका था, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। कार्यशाला में नामित सभी कार्यपालक प्रशिक्षार्थियों ने भाग लेकर इस कार्यक्रम को शत-प्रतिशत सफल बनाया। कुल मिलाकर 28 कार्यपालक प्रशिक्षार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

2. अक्तूबर- दिसंबर तिमाही की एक-दिवसीय हिंदी कार्यशाला दिनांक 27.11.2018 (मंगलवार) को मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। श्रीमती गिरिजा वी आर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), बीपीसीएल-केआर, कोच्ची कार्यशाला के संकाय थी। सब से पहले उन्होंने सभी भागीदारों से अपना-अपना परिचय हिंदी में करवाया। उन्होंने संक्षिप्त रूप में राजभाषा नियम, अधिनियम, नीति, संवैधानिक प्रावधनों के बारे में भागीदारों को अवगत कराया। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार की राजभाषा नीति की अनुपालन करना कंपनी के हरेक कर्मचारी का दायित्व है। इसके लिए हरेक को फाइलों में छोटे- छोटे टिप्पणियाँ और पत्र द्विभाषी में करने का प्रयास करना चाहिए। भागीदारों को कार्यशाला में पूर्ण रूप से शामिल कराने केलिए उन्होंने कुछ प्रश्न भी पूछे। कक्षा बहुत ही सरल और दिलचस्प थी। अधिकारियों व कर्मचारियों की अच्छी भागीदारी से कार्यशाला अधिक सफल हुई। कुल 7 अधिकारियों और 16

कर्मचारियों ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया।

3. जुलाई- सितंबर तिमाही की एक - दिवसीय हिंदी

कार्यशाला दिनांक 05.09.2018 (बुधवार) को मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। श्रीमती पापिया चाटर्जी, सहायक प्रबंधक (राजभाषा), राष्ट्रीय बीमा कंपनी लिमिटेड, कोच्ची कार्यशाला के संकाय थी। सब से पहले उन्होंने सभी भागीदारों से अपना- अपना परिचय हिंदी में करवाया। उन्होंने मुख्य रूप से राजभाषा नियम और अधिनियम के बारे में विस्तृत

रूप में चर्चा की। साथ ही, एक कार्यालय में कर्मचारियों केलिए हिंदी प्रशिक्षण चलाने के उद्देश्य, वार्षिक कार्यक्रम आदि के बारे में उन्होंने बताया। इसके साथ, उन्होंने राजभाषा कार्यन्वयन समितियों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के मुख्य कार्यों का विवरण दिया । उन्होंने कार्यालय में हिंदी पुस्तकालय के महत्व के बारे में बताया। कंप्यूटरों में हिंदी में कार्य करने के संबंध में भी उन्होंने जोर दिया। भागीदारों को कार्यशाला में पूर्ण रूप से शामिल कराने केलिए उन्होंने कुछ अभ्यास भी करवाया। अधिकारियों व कर्मचारियों की अच्छी भागीदारी से कार्यशाला अधिक सफल हुई। 8 अधिकारियों, 12 कर्मचारियों ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया।

4. अप्रैल- जून तिमाही की एक - दिवसीय हिंदी कार्यशाला दिनांक 07.06.2018 (गुरुवार) को मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। श्री के के रामचंद्रन, उप निदेशक (राजभाषा), आयकर विभाग, कोच्ची कार्यशाला के संकाय थे। सब से पहले उन्होंने सभी भागीदारों से अपना- अपना परिचय हिंदी में करवाया। उन्होंने मुख्य रूप से धारा 3(3) के बारे में विस्तृत रूप से हिंदी कार्यशाला में चर्चा की। साथ ही, उन्होंने एक कार्यालय में कर्मचारियों केलिए हिंदी कार्यशालाएं चलाने के उद्देश्य के बारे में बताया। इसके साथ, उन्होंने राजभाषा नियम और अधिनियमों के प्रमुख बिन्दुओं पर भी प्रकाश डाला और हरेक विभाग में कंप्यूटरों में यूनिकोड के उपयोग के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कार्यालयीन काम हिंदी में करने के महत्व के बारे में भी जोर दिया। भागीदारों को भी कार्यशाला में उन्होने पूर्ण रूप से शामिल करते हुए कक्षा चलाई। अधिकारियों व कर्मचारियों की अच्छी भागीदारी से कार्यशाला अधिक सफल हुई। 8 अधिकारियों, 12 कर्मचारियों ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया।

हिंदी के द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।
महर्षि स्वामी दयानंद

राजभाषा संगोष्ठी

भारत सरकार की राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित करने और हिंदी के प्रति छात्रों के बीच जागरूकता उत्पन्न करने तथा हिंदी भाषा के प्रति उनकी मानसिकता को

सकारात्मक दिशा में अनुकूल करने के उद्देश्य से कोचीन शिपयार्ड के तत्वावधान में दिनांक 04 दिसंबर 2018 को मेर्सी होटल में **'केन्द्र सरकारी कार्यालयों में हिंदी अनुवादकों की भूमिका', 'राजभाषा हिंदी और व्याकरण' और 'यूनीकोड के जरिए राजभाषा हिंदी का विकास'** विषय पर एक- दिवसीय राजभाषा संगोष्ठी आयोजित की गई। यह संगोष्ठी मुख्य रूप से कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कलमश्शेरी और हिंदी प्रचार सभा, एर्णाकुलम के स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हिंदी अनुवाद) के छात्रों केलिए आयोजित की गई थी।

श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने राजभाषा संगोष्ठी की अध्यक्षता की। श्री पी विजयकुमार, उप निदेशक (से.नि.), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची मुख्य अतिथि

के रूप में उपस्थित थे। श्री डी पॉल रंजन, निदेशक (वित्त), श्री एम डी वर्गीस, मुख्य महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन) आदि इस अवसर पर उपस्थित थे। संगोष्ठी में 45 छात्रों ने अपनी सफल भागीदारी सुनिश्चित की।

कुमारी सुमी एस, कार्यपालक प्रशिक्षार्थी की प्रार्थना से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। श्री टी पी गिरिजा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने मंच पर उपस्थित सभी विशिष्ट अधिकारियों और सभी

उपस्थितों का हार्दिक रूप से स्वागत किया। बाद में माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मधु एस नायर ने उद्घाटन भाषण देते हुए औपचारिक रूप से संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में ऐसी एक राजभाषा संगोष्ठी चलाने केलिए कोचीन शिपयार्ड के हिंदी कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व के बारे में बताया और हिंदी भाषा जानने और बोलने की आवश्यकता पर ज्यादा जोर दिया। आगे उन्होंने बताया कि इस तरह का एक कार्यक्रम पहली बार सीएसएल आयोजित कर रहा है। सीएसएल की हिंदी संबंधी गतिविधियां सिर्फ सीएसएल में न सीमित होकर बाहर के समाज में भी फैलाना हमारा उद्देश्य है। इस सिलसिले में हम हर वर्ष हिंदी पखवाडे के अवसर पर स्कूली छात्रों केलिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने कोचीन शिपयार्ड को गृह मंत्रालय द्वारा पुरस्कृत राजभाषा कीर्ति पुरस्कार के संबंध में बताया। इस पुरस्कार प्राप्ति केलिए हिंदी कक्ष को बधाई भी दी। आगे, उन्होंने उपस्थित सभी छात्रों को शुभकामनाएं भी दी। आगे, श्री पी विजयकुमार, उप निदेशक (कार्यान्वयन)-सेवानिवृत्त, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची ने इस संबंध में अपने अनमोल कथन दिए। बाद में, श्री एम डी वर्गीस, मुख्य महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन) ने इस संगोष्ठी के आयोजन हेतु हिंदी अनुभाग को शुभकामनाएं दी। साथ ही, संगोष्ठी में उपस्थित सभी छात्रों को इस संगोष्ठी से पूरी तरह लाभ उठाने हेतु अनुरोध किया और उनकी उज्ज्वल भविष्य केलिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने शब्दों से सभी को अभिप्रेरित किया। आगे भी इस तरह के कार्यक्रमों को आयोजित करने में हिंदी टीम को प्रेरणा दी। श्रीमती सरिता जी, सहायक प्रबंधक (हिंदी) के कृतज्ञता ज्ञापन के साथ राजभाषा संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का समापन हुआ।

श्री पी विजयकुमार, उप निदेशक (सेवानिवृत्त), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची ने हिंदी अनुवाद और व्याकरण विषय पर प्रथम सत्र का संचालन किया। उन्होंने बहुत ही विस्तृत

रूप से हिंदी व्याकरण पर प्रकाश डाला। हिंदी व्याकरण के संबंध में कुछ अभ्यास भी छात्रों से करवाया और उनके संदेहों को दूर करने का प्रयास किया। उन्होंने बडी सहज और स्वाभाविक

तरीके से कक्षा चलायी। इसी के साथ उन्होंने हिंदी से जुडे कैरियर के संबंध में छात्रों को अवगत कराया। कुल मिलाकर उनकी कक्षा बहुत ही ज्ञानवर्धक रहा।

राजभाषा संगोष्ठी का दूसरा सत्र श्रीमती शीला एम सी, सहायक निदेशक (राजभाषा) और सचिव, कोच्ची टॉलिक द्वारा "केन्द्र सरकारी कार्यालयों में हिंदी अनुवादकों की भूमिका" विषय पर किया गया। राजभाषा के रूप में हिंदी की स्वीकृति के बारे में

विस्तार से उन्होंने बताया। एक सरकारी कार्यालय में राजभाषा हिंदी के महत्व, इसके प्रयोग आदि के बारे में एक संक्षिप्त जानकारी भागीदारों को दी। उन्होंने राजभाषा हिंदी से संबंधित विविध नियम, अधिनियम, वार्षिक कार्यक्रम, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां, संसदीय राजभाषा समिति आदि पर प्रकाश डाला गया।

श्री रमेष प्रभु, मुख्य हिंदी अधीक्षक, एचपीसीएल ने 'सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राजभाषा हिंदी' पर तृतीय सत्र चलाया। उन्होंने कंप्यूटर पर यूनिकोड की स्थापना और उसके उपयोग पर संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। साथ ही, उन्होंने राजभाषा हिंदी से संबंधित मुख्य साइटों, सर्च इंजिनों, गूगल वॉइस ट्रान्सलेशन, स्पीच टु टेकस्ट आदि जैसे नवीनतम प्रोद्योगिकी कार्यों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बडी रोचक ढेग से कक्षा चलायी।

प्रतिक्रिया सत्र में छात्रों ने बडे उत्साह के साथ अपनी राय व्यक्त की। वास्तव में इस एक दिवसीय संगोष्ठी ने छात्रों केलिए हिंदी के क्षेत्र में एक नया अनुभव प्रदान किया। श्री एम डी वर्गीस,

मुख्य महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन) की उपस्थिति में संगोष्ठी का समापन सत्र चलाया गया। श्री बैजु एन जी, परियोजना सहायक (प्रशासन) ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। संकायों को इस अवसर पर कोचीन शिपयार्ड की ओर से उपहार भी सम्मानित किए गए। अंत में, सभी अधिकारी व कर्मचारियों के राष्ट्रगीत के साथ संगोष्ठी सफल रूप से संपन्न हुई।

कोचीन शिपयार्ड और एफ ए सी टी के प्रायोजन में राजभाषा संगोष्ठी

भारत सरकार के राजभाषा संबंधी आदेशों व निदेशों को ध्यान में रखते हुए सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढाने तथा सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा संबंधी

आदेशों तथा नियमों आदि की जानकारी देने केलिए कोच्ची नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के तत्वावधान में आयोजित संयुक्त हिंदी पखवाडे 2018 के सिलसिले में के साथ दिनांक 21.12.2018 शुक्रवार को एक दिवसीय राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कोचीन स्थित केन्द्र सरकार कार्यालयों एवं उपक्रमों (कोचीन नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के अधीन के) में कार्यरत राजभाषा अधिकारियों, हिंदी कर्मचारियों तथा राजभाषा

कार्यान्वयन से संबंधित अन्य अधिकारियों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया।

उद्घाटन कार्यक्रम प्रारंभ करते हुए उप महाप्रबंधक (राजभाषा), श्री पंचानन पोद्दार ने विभाग तथा उपक्रमों से आए सदस्यों, प्रतिनिधियों एवं एफएसीटी के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों का स्वागत किया।

श्री डी नंदकुमार, निदेशक (विपणन एवं तकनीकी), एफएसीटी ने उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अध्यक्ष महोदय ने सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग किए जाने पर बल दिया। अध्यक्षीय भाषण के बाद गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके संगोष्ठी का उद्घाटन किया।

मुख्य अतिथि श्री एम डी वर्गीस, मुख्य महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन), कोचीन शिपयार्ड ने मुख्य भाषण दिया। उन्होंने हिंदी की सरलता, सुगमता, सहजता और एकरूपता पर विशेष ध्यान देते हुए हिंदी में कार्य करने को प्रोत्साहन दिया। श्री के पी शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्ची ने अपने आशीर्वाद भाषण में सरकारी कामकाज में संघ की राजभाषा हिंदी का सरल, सहज एवं सुगम प्रयोग अपने स्तर पर सुनिश्चित करने की प्रेरणा दी।

संगोष्ठी का पहला सत्र श्री के पी शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) ने कार्यालय में राजभाषा निरीक्षण- अपेक्षाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कक्षा का संचालन किया। इस अवसर पर एच ओ सी एल, कोचीन शिपयार्ड और एफ ए सी टी द्वारा अपने कार्यालयों में राजभाषा हिंदी में कार्य निष्पादन नामक विषय पर प्रस्तुतीकरण किया गया।

दूसरे सत्र में श्रीमती एम सी शीला, सचिव, कोच्ची टॉलिक ने कार्यालय में राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन- संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण के संदर्भ में नामक विषय पर कक्षा संचालित की। कक्षा में राजभाषा अधिनियम एवं नियम और सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढाने के संबंध में भारत सरकारी द्वारा जारी किए गए आदेशों और हिंदी के प्रयोग से संबंधित वार्षिक कार्यक्रम के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गयी। अंत में श्री ओ रमेश, प्रबंधक (राजभाषा), एच ओ सी एल ने सभी को कृतज्ञता ज्ञापित की।

हिंदी कंप्यूटर प्रशिक्षण

कर्मचारियों को कंप्यूटर पर हिन्दी में अधिक से अधिक काम करने के उद्देश्य से, कार्यालय में कुसाट के तत्वावधान में दिनांक 25 से 29 जून, 2018 तक हिन्दी में यूनीकोड प्रशिक्षण कार्यक्रम सफल ढंग से आयोजित की गई । कुसाट के संकाय द्वारा कर्मचारियों को विस्तृत रूप से हिन्दी यूनीकोड में प्रशिक्षण दिया गया । कुल 14 कर्मचारियों ने उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया ।

कार्यालय में कुसाट के तत्वावधान में दिनांक 11 से 15 मार्च, 2019 तक हिन्दी में यूनीकोड प्रशिक्षण कार्यक्रम सफल ढंग से आयोजित की गई । कुसाट के संकायों द्वारा कर्मचारियों को विस्तृत रूप से हिन्दी यूनीकोड में प्रशिक्षण दिलाया गया । कुल 14 कर्मचारियों ने उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया ।

बोलचाल की हिन्दी में प्रशिक्षण

कार्यालय में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु दिनांक 04 जून से 14 जून 2018 तक बोलचाल की हिन्दी में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । श्री के राधाकृष्णन, प्रबंधक (राजभाषा), एसबीटी (से.नि.) ने कार्यक्रम का संचालन किया । उन्होंने बहुत सहज और सरल ढंग से कक्षा चलायी । उन्होंने भागीदारों के संदेहों को दूर करने का प्रयास किया । कुल 30 कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया । भागीदारों की सक्रिय भागीदारी से प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत ही सफल रूप से संपन्न हुआ ।

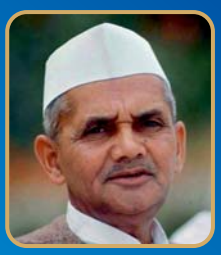

लालबहादुर शास्त्री

हिंदी पढना और पढाना हमारा कर्तव्य है।
उसे हम सबको अपनाना है।

राजभाषा प्रबंधन कार्यक्रम

महा प्रबंधकों व उप महा प्रबंधकों केलिए एक विशेष राजभाषा प्रबंधन कार्यक्रम दिनांक 06.03.2049 (बुधवार) को मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। श्री के पी शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) प्रभारी, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय कोच्ची, कार्यक्रम के संकाय थे। 11 महा प्रबंधकों और

10 उप महा प्रबंधकों ने कार्यक्रम में भरपूर सहभागिता प्रदान की। कार्यक्रम की शुरूआत श्री के पी शर्मा महोदय ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हिए किया। हिंदी भाषा की उन्नति और उसके प्रचार पर विशेष जोर डाला गया। हर प्रतिभागियों ने अपने- अपने विचार प्रकट किए जिसको बडे रोचक ढंग से निपटाया गया। शर्मा महोदय ने सभी कार्यपालकों को प्रेरणा दी कि अपने विभाग में अगर वे एक कदम बढायेंगे तो बाकी के कर्मचारियों केलिए यह बहुत ही प्रेरणाजनक होगा। साथ ही उन्होंने हिंदी के उद्भव और विदेशों में भी हिंदी को लेकर हो रहे विकास की ओर भी प्रकाश डाला। हिंदी किस प्रकार देश की भाषा बनी उसका विस्तार और लोगों तक उसकी पहुँच इन सभी आयामों को छूते हुए सत्र आगे बढा। उन्होंने यह बताया कि हिंदी जैसी सरल भाषा विश्व में दूजा नहीं है, लेकिन उसे सीखने केलिए मन की आवश्यकता है। हिंदी दिल की भाषा है, दिल की गहराई को छू लेती है। पूरे भारत को एक सूत्र में बांधने केलिए हिंदी ही एक भाषा हो सकती है। उन्होंने उपनिषदों और वेदों में कही गई सूक्तियों का भी परामर्श किया। पूरे जोश और उत्साह के साथ कक्षा चलाई गई। कार्यालयों में हिंदी की उपयोगिता को किस प्रकार बढाया जाए इस पर भी चर्चा की गई। सभी प्रतिभागियों ने अपने मन की बात बताई और यह विश्वास दिलाया कि उनसे जो बन पडता है वे करेंगे। कार्यशाला में नामित सभी कार्यपालकों ने भाग लेकर इस कार्यक्रम को शत-प्रतिशत सफल बनाया।

सहायक महाप्रबंधकों केलिए एक विशेष राजभाषा प्रबंधन कार्यक्रम दिनांक 11.03.2019 (सोमवार) को मुख्य कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। श्री डॉ हरीन्द्र शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), दूरदर्शन केन्द्र, तिरुवनंतपुरम, कार्यक्रम के संकाय थे। 19 सहायक महा प्रबंधकों ने कार्यक्रम में भरपूर सहभागिता प्रदान की। सबसे पहले उन्होंने सभी भागीदारों को अपना परिचय दिया और यह

बताते हुए आगे बढे कि हिंदी भाषा एक ऐसी भाषा है जो दिलों को जोडता है। उन्होंने हिंदी भाषा को लेकर हो रहे उलझनों पर प्रकाश डाला और उनके समाधानों की भी चर्चा की गई। कुछ पावरपाइन्ट प्रस्तुतीकरण दिखाया और विषय की ओर बढे। भाषा की परिभाषा पूछते हुए सत्र आगे बढा। हिंदी भाषा में हो रही प्रगति को समझाया गया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम का पूरा फायदा उठाया। सभी भागीदार पूरी तरह से कक्षा में विलीन थे। राजभाषा संबंधी प्रावधानों को छोटा- छोटा नुस्का बनाकर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पेश किया गया। कक्षा बहुत ही रोचक और दिलचस्प थी।

विशेष उपलब्धि

शिपयार्ड के दिग्गजों को हार्दिक बधाई, जिन्होंने दिनांक 04 सितंबर 2018 को मलागा, स्पेन में आयोजित ३३ वें विश्व मास्टर्स अथलेटिक मीट 2018 पर अपनी छाप छोडी है।

श्रीमती शोभना कुमारी, कोड संख्या 2558, सहायक इंजीनियर, श्री विनु के आर, कोड संख्या 4351, फायमैन और श्री जैक्सन सी जे कोड सं.3882, रिग्गर आदि ने क्रमशः ट्रिपल जंप, लॉन्ग जंप और हाई जंप प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

कोचीन शिपयार्ड के आउटफिट विभाग के प्रबंधक के रूप में काम कर रहे श्री अनंतु सुकुमारन, कोड संख्या 3610 ने दिनांक 02 सितंबर 2018 को कारगिल अंतर्राष्ट्रीय मैराथॉन के दूसरे भाग के 100 मील टाइगर हिल चुनौती में 160 कि.मी. की दूरी तय करते हुए पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने इस उपलब्धि को हासिल करने में 29 घंटे और 49 मिनट का समय लिया है।

श्रीमती शोभना कुमारी

श्री अनंतु सुकुमारन

संयुक्त हिन्दी पखवाडा समारोह - विविध पुरस्कार

कोच्ची टॉलिक के तत्वावधान में दिनांक 16 नवंबर से 30 नवंबर 2018 तक आयोजित संयुक्त हिन्दी पखवाडा समारोह के सिलसिले में आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में निम्नलिखित कर्मचारियों ने पुरस्कार जीता है ।

क्र. सं.	नाम	मद	पुरस्कार
1	अरुण आर	भाषण	द्वितीय
2	कार्तिका एस नायर	सुगम संगीत	तृतीय
3	राजेश पी	भाषण	सांत्वना
4	सुमी एस	प्रशासनिक शब्दावली, टिप्पण व आलेखन	सांत्वना
5	दिव्या एम पाई	समाचार वाचन	सांत्वना
6	विनिता के जी	हिंदी टंकण (यूनिकोड)	सांत्वना
7	निव्या टी आर	सुलेख	सांत्वना

हिंदी में काम करने केलिए नकद पुरस्कार योजना

कोचीन शिपयार्ड में हिंदी में काम करने केलिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के उपलक्ष्य में नकद पुरस्कार योजना लागू किया गया है। वर्ष के दौरान 36 कर्मचारियों ने नकद पुरस्कार योजना में भाग लिया।

क्र.सं.	नाम एवं कोड सं.	पदनाम
1	राजीवन एम एस, 2852	उप प्रबंधक
2	नीलकंठन ए एन, 2966	महा प्रबंधक
3	चंद्रिका आई, 2973	चार्जमैन
4	एमिल्डा डी सिल्वा, 3600	वरिष्ठ सहायक
5	जयश्रीदेवी के वी, 3646	सहायक
6	रमेष पी एस, 3662	प्रबंधक
7	जिषा ईशी, 3681	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
8	विनीता के जी, 3735	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
9	रिंजो पॉल, 3775	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
10	नीता जोसफ, 3781	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
11	जिल्सी पिनहेरो, 3782	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
12	सिजी तंकप्पन, 3784	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
13	रवीष एम जी, 3923	उप प्रबंधक
14	अनुराज कुमार आई, 3945	कनिष्ठ तकनीकी सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
15	प्रवीता गोपाल, 3954	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
16	स्मिता वी पी, 3957	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
17	जेयस पी एस, 3963	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
18	टिल्सन तोमस, 3984	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
19	अनीष वी आर, 4157	उप प्रबंधक
20	अखिला गोपालकृष्णन, 4192	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
21	सजिता के नायर, 4193	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
22	सौम्या के आर, 4194	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
23	नयना विजयन के, 4196	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
24	अषिता के ए, 4197	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
25	प्रिजा एन के, 4198	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
26	दिव्या के वी, 4200	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
27	सुरभि वी एस, 4201	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
28	सिनोज वी एस, 4213	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक - वरिष्ठ ग्रेड
29	शारिका सी शशिधरन, 4580	आशुलिपिक
30	संजू के एन, 4663	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
31	दीप्ति एन एम, 4666	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
32	अश्वती पी ए, 4668	कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक
33	दिव्या पी मुरली, 4702	आशुलिपिक
34	रंजित पी आर, 4710	कनिष्ठ तकनीकी सहायक
35	किरण के ए, 4740	सहायक प्रबंधक
36	जॉणसण के जॉर्ज, 4750	सहायक प्रबंधक

सीएसएल केलिए उत्पादकता कार्य-निष्पादन पुरस्कार

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने केरल राज्य उत्पादकता परिषद से 'बडे उद्योग' श्रेणी में राज्य स्तर में दूसरा उत्तम उत्पादकता कार्य-

निष्पादन केलिए एफएसीटी एम के के नायर मेम्मोरियल उत्पादकता पुरस्कार जीत लिया है । केरल राज्य उत्पादकता परिषद, कलमश्शेरी, एर्णाकुलम में आयोजित समारोह में श्री बिजोय भास्कर, निदेशक (तकनीकी) के नेतृत्व में श्री एम डी वर्गीस, मुख्य महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन एवं सीएसआर) और श्री ए वी सुरेष कुमार, महा प्रबंधक (पोत निर्माण) ने श्री ई पी जयराजन, उद्योग मंत्रालय, केरल सरकार से पुरस्कार स्वीकार किया । उत्पादकता माह समारोह के सिलसिले में राज्य स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता हुए सीएसएल के निम्न कर्मचारियों को भी इस अवसर पर विविध पुरस्कारों से सम्मानित किए गए ।

1. श्री अभिलाष वी, कोड सं. 3937, उप प्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी) - प्रथम पुरस्कार - स्वर्ण पदक - निबंध (मलयालम) ।

2. श्री इग्नेशियस बेबी, कोड सं. 40369, उच्च प्रशिक्षार्थी - द्वितीय पुरस्कार - निबंध (अंग्रेजी) ।

3. श्री नारायणन कुट्टी, कोड सं. 3126, सहायक इंजीनियर (वेल्डर) - द्वितीय पुरस्कार - स्लोगन (मलयालम) ।

केएमए सीएसआर पुरस्कार

कोचीन शिपयार्ड ने वर्ष 2018 के लिए दो श्रेणियों में के एम ए सीएसआर पुरस्कार हासिल किए। इसमें पहली श्रेणी शिक्षा है जिसमें शिक्षा केलिए बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने हेतु अपनी उत्कृष्ट सेवा केलिए मान्यता प्राप्त है, जिसमें कौशल विकास और विशेष बच्चों केलिए शैक्षिक समर्थन शामिल है।

दूसरी श्रेणी स्वास्थ्य और स्वच्छता है, जिसमें सीएसएल को कंपनी द्वारा शुरू की गई आधारभूत सुविधाओं के विकास की पहल और स्वास्थ्य जागरूकता शिक्षा पर इसके निरंतर जोर केलिए सम्मानित किया गया हैं। सीएसएल कई अलग- अलग अभिनव परियोजनाओं को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था जो दूसरों केलिए और यहां तक कि सरकार केलिए एक रोल मॉडल था।

राजभाषा शील्ड - पोत परिवहन मंत्रालय

पोत परिवहन मंत्रालय से वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के दौरान राजभाषा के उत्तम कार्य-निष्पादन केलिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को 'ग' क्षेत्र में पुरस्कार प्राप्त हुआ । यह पुरस्कार राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों पर आधारित है ।

कोच्ची टॉलिक से राजभाषा पुरस्कार

कोचीन नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य संगठनों में 200 से कम कर्मचारी काम करनेवाले सार्वजनिक उपक्रमों के समूह में वर्ष 2017-18 के दौरान राजभाषा हिंदी के उत्तम निष्पादन केलिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को समिति की राजभाषा रोलिंग ट्रॉफी (प्रथम पुरस्कार) प्राप्त हुई । बीएसएनएल भवन, कोच्ची में आयोजित संयुक्त हिन्दी पखवाडा समापन समारोह के अवसर पर प्रो.(डॉ).आर शशिधरन, उप कुलपति, कुसाट, कलमश्शेरी से श्री वर्गीस एम डी, मुख्य महाप्रबंधक (औ.सं. एवं प्रशा.) और श्रीमती सरिता जी, सहायक प्रबंधक (हिंदी) ने ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र स्वीकार किया । साथ ही, शिपयार्ड को राजभाषा के उत्तम कार्य-निष्पादन केलिए ऑवररॉल ट्रॉफी भी प्राप्त हुआ ।

राजभाषा गृह पत्रिका 'सागर रत्न' केलिए पुरस्कार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टॉलिक), कोच्ची से वर्ष 2017-18 के दौरान कार्यालय ने राजभाषा गृह पत्रिका 'सागर रत्न"केलिए द्वितीय पुरस्कार हासिल किया । कोच्ची टॉलिक के संयुक्त हिंदी पखवाडे के समापन समारोह के अवसर पर प्रो.(डॉ).आर शशिधरन, उप कुलपति, कुसाट, कलमश्शेरी के करकमलों से श्री एम डी वर्गीस, मुख्य महाप्रबंधक (औ.सं. एवं प्रशा.) ने पुरस्कार स्वीकार किया ।

विभाग केलिए राजभाषा शील्ड पुरस्कार

राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन केलिए विभाग द्वारा करनेवाले प्रयासों को सराहने केलिए कार्यालय में एक राजभाषा शील्ड संस्थापित किया है। सामग्री विभाग बहुत उचित एवं सही ढंग से अपने विभाग में राजभाषा कार्यान्वयन कर रहे है। अतः रिपोर्टाधीन वर्ष में राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन केलिए सामग्री विभाग को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। माननीय अध्यक्ष महोदय श्री मधु एस नायर से सर्वश्री ए एन नीलकंठन, महा प्रबंधक (सामग्री) और के आर सुनिलकुमार, महा प्रबंधक (सामग्री) ने एक साथ मिलकर यह पुरस्कार स्वीकार किया।

स्वर्गीय श्री शंकर दयाल सिंह स्मृति पुरस्कार

भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय से प्राप्त निदेश के अनुसार कोचीन शिपयार्ड में वर्ष 2012 से स्वर्गीय श्री शंकर दयाल सिंह स्मृति पुरस्कार योजना लागू की गई है और यह पुरस्कार कार्यालयीन काम में हिंदी के अधिकतम शब्द लिखने वाले कर्मचारी को दिया जाता है। हिंदी पखवाडे के समापन समारोह के अवसर पर इस वर्ष के विजेता श्रीमती जिल्सी पिनहेरो, कनिष्ठ वाणिज्यिक सहायक को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मधु एस नायर ने ट्रोफी और प्रमाणपत्र प्रदान किया ।

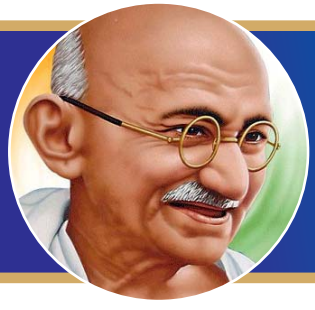

राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूँगा है।

महात्मा गांधी

310 मीटर नई सूखी गोदी - मेक इन इंडिया केलिए एक प्रोत्साहन

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, डॉक क्षमता के लिहाज से भारत के सबसे बडा सार्वजनिक क्षेत्र का शिपयार्ड है,जिसने एक बडी और

अधिक गतिशील सूखी गोदी बनाने की कार्यवाही तैयार की है ।

केरल के मुख्यमंत्री, श्री पिणराई विजयन और माननीय पोत परिवहन मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने दिनांक 30 अक्तूबर 2018 को शिपयार्ड के उत्तरी छोर में स्थित कंपनी की तीसरी सूखी गोदी केलिए भूभंजक कार्य का आयोजन किया । इस अवसर पर प्रोफसर के वी टॉमस, सांसद, श्री हैबी ईडन, विधान सभा सदस्य और श्रीमती सौमिनी जैन, नगरध्यक्षा, कोच्ची नगर और श्रीमती गडकरी उपस्थित थे ।

श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सीएसएल, श्री सुरेष बाबु एन वी, निदेशक (प्रचालन), सीएसएल, श्री पॉल रंजन, निदेशक (वित्त), श्री बिजोय भास्कर, निदेशक (तकनीकी) और परियोजना कार्यान्वयन टीम के पदाधिकारियों ने भी इस समारोह में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की ।

नई गोदी की लंबाई 310 मीटर होगी । यह व्यापक भाग में 75 मीटर और चौडे भाग में 60 मीटर की चौडाई के साथ एक स्टेप्पड डॉक है । इसमें 13 मीटर की गहराई और 9.5 मीटर सूखा होगा । यह उन पोतों के संदर्भ में सबसे बडा और अधिक गतिशील गोदी होगी जिन्हें डॉक किया जा सकता है । स्टप्पेड डॉक की संकल्पना से गोदी की लंबाई भरने हेतु बडे वेसलों को सक्षम बनाता है, और विशाल, छोटे वेसलों और समुद्री उपकरणों जैसे कि जैक अप रिग्गों को गोदी के व्यापक भाग में मरम्मत/निर्मित किया जाना है ।

आगे, गोदी के आकार और गोदी के फर्श की ताकत के संदर्भ में, यह भारत के सबसे बडे सूखी गोदी में से एक है । नई सूखी गोदी को 600 टन क्षमता के एक गैन्ट्री क्रेन, प्रत्येक 75 टन क्षमता के दो एलएलटीटी क्रेन और अन्य संबद्ध सुविधाओं, जिसमें बाद के चरण में एक और 600 टन गैन्ट्री क्रेन जोडने का विकल्प होगा, के साथ सुसज्जित है । सूखी गोदी परियोजना की कुल अनुमानित लागत 1799 करोड रुपए हैं । फिलहाल, सीएसएल को दो सूखी गोदी हैं, इनमें से एक 255मी x43 x 9मी की है और 1,10,000 डीडब्ल्यूटी क्षमता की है, जो मुख्य रूप से पोत निर्माण केलिए उपयोग किया जाता है और दूसरा पोत मरम्मत केलिए हैं, जिसके आकार 270मी x45x12मी की है और 1,25,000 डीडब्ल्यूटी की क्षमता रखनेवाले हैं ।

यह दोहरे उद्देश्य की सूखी गोदी एलएनजी वेसल, जैक अप रिग्ग, ड्रिल शिप, बडे ड्रेजर, दूसरे देशी वायुयान वाहक और

ऑफ्शोर प्लाटफॉर्म और बडे वेसलों की मरम्मत जैसे विशिष्ट और तकनीकी रूप से उन्नत बडे पोतों की मरम्मत/ निर्माण की बाजार क्षमता को प्राप्त करने केलिए अनिवार्य रूप से बनाया गया है । नई सूखी गोदी 70,000 टन डॉकिंग डिस्प्लेसमेंट के वायुयान वाहक और 55,000 टन डॉकिंग डिस्प्लेसमेंट के टैंकरों और व्यापारी पोतों को आराम से संभाल सकती हैं । प्रचालन चरण के दौरान लगभग 2000 (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहित) रोजगार क्षमता के साथ उद्योग क्षेत्र को सहायता प्रदान करती है और पोत निर्माण एवं सहायक उद्योग क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी सृजित होता है । सूखी गोदी के कार्यान्वयन से देश में सामाजिक-आर्थिक विकास और निर्माण क्षेत्र की वृद्धि के माध्यम से राष्ट्र निर्माण भी संभव हो जाता है ।

नज़ीरगंज, कोलकाता में एचसीएसएल के भूभंजक समारोह

अंतर्देशीय जलखंड जो देश में तेजी से विकसित हो रहे हैं, में एक मुख्य अग्रणी बनने के महत्वाकांक्षा के साथ, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) और हुगली डॉक एवं पोर्ट इंजीनियेर्स

लिमिटेड (एचडीपीईएल) के बीच हुगली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (एचसीएसएल) नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी गठित की गई है, जिसमें सीएसएल मुख्य शेयरधारक हैं । एचसीएसएल में नए यार्ड के निर्माण के भूभंजक समारोह दिनांक 16 फरवरी 2019 को नजीरगंज में श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष, एचसीएसएल द्वारा किया गया । इस अवसर पर श्री विनीत कुमार आईआरएसईई, अध्यक्ष, कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट, श्री एस बालाजी अरुण कुमार, उपाध्यक्ष, कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट और एचसीएसएल के निदेशक भी उपस्थित थे ।

यह परियोजना 24 महीने में पूरा होने की उम्मीद है और यूनिट वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही तक चालू हो जाएगा । यह संस्थान सामाजिक आर्थिक विकास को बढावा देगा और अधीनस्थ यूनिटों के विकास में मदद करेगा ।

केरल राज्य मत्स्य विभाग केलिए मराइन आम्बुलेंस बोट

मत्स्य विभाग, केरल सरकार केलिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में निर्माणाधीन तीन मराइन आम्बुलेंस बोटों का 'स्टील कट्टिंग समारोह' दिनांक 25 फरवरी, 2019 को श्रीमती जे मेर्सीकुट्टी अम्मा, माननीय मत्स्य पालन, हार्बर इंजीनियरिंग एवं काजू उद्योग के मंत्री द्वारा किया गया । इस अवसर पर राज्य मत्स्य विभाग, सिफ्ट, बीपीसीएल एवं इंडियन रजिस्टर ऑफ शिप्पिंग से वरिष्ठ अधिकारियां, सीएसएल की ओर से निदेशक एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे । माननीय मंत्री ने राज्य में मत्स्य पालन की सहायता केलिए सुरक्षित और स्थिर पोतों का डिजाइन कार्य करने में सीएसएल द्वारा उठाए गए प्रयासों पर खुशी व्यक्त की । मंत्री ने इस तथ्य की सराहना की कि सीएसएल की तकनीकी क्षमता जो आमतौर पर बडे आकार के रक्षा और वाणिज्यिक क्षेत्रों कलिए उपयोग की जाती है, अब देशीय और स्थानीय क्षेत्र की सेवा केलिए उपलब्ध है ।

इन आम्बुलेंस बोटों को करीब 22.5 मीटर की लंबाई, 6.0 मीटर के बीम आकार और 14 नोट की अधिकतम गति है । सीएसएल में डिजाइन किए यह आधुनिक वेसल उच्च गुणवत्ता और ईंधन क्षमता के है । वेसल दो रोगियों को समायोजित करने में सक्षम होगा और पैरामेडिकल स्टाफ सहित 7 क्रू को शामिल करने की क्षमता है । वेसल में जांच और नर्सिंग रूम, मेडिल बेड, लाश-घर रेफ्रिजरेटर और मेडिकल लॉकर भी शामिल हैं । समुद्र से सुरक्षित रूप में लोगों को बचाने केलिए जैयसण क्राडिल भी इसमें मौजूद है । समुद्री मछुआरों के बचाव और त्वरित चिकित्सा और सामान्य गश्ती केलिए भी समुद्री आम्बुलेंस का उपयोग किया जाएगा । ये वेसल वर्ष 2020 में सुपुर्द किया जाएगा ।

मुख्यमंत्री की आपदा राहत निधि में योगदान

विनाशकारी बाढ ने पूरे केरल में तबाही मचाई और कोचीन शिपयार्ड की गतिविधियों को भी बाधित कर दिया। लोक पहले सांस्कृतिक विरासत और एक जिम्मेदार निगमित नागरिक होने के नाते सीएसएल प्रबंधन इस अवसर पर पहुँचे और मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमडीआरएफ) को 10 करोड रुपये दान दिए। शिपयार्ड के कर्मचारियों व पर्यवेक्षकों द्वारा एक दिन का वेतन और अधिकारियों द्वारा दो दिन के वेतन के दर में अपनी पाई सीएमडीआरएफ को योगदान दिया है।

इसके अलावा सीएसएल, अपने सीएसआर बजट के तहत विभिन्न परियोजना विशिष्ट बाढ संबंधित राहत, पुनर्वास और पुनर्निमाण गतिविधियों केलिए 1 करोड रूपए की राशि केलिए वचनबद्ध हुए है।

कोचीन शिपयार्ड ने बचाव कार्यों केलिए पुरूषों, सामग्री और धन के माध्यम से योगदान दिया, जिससे प्रभावितों के लिए भोजन, कपडा और अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की जा सके।

सीएसएल - मुंबई पोत मरम्मत यूनिट (सीएमएसआरयू) में प्रचालनों की शुरुआत

विस्तार कार्यक्रमों के भाग के रूप में, सीएसएल ने दिनांक 18 जनवरी 2019 को मुंबई पोर्ट ट्रस्ट से इंदिरा डॉक के बर्थ सं. 5,6,7 एवं 8 और ह्यूजस ड्राई डॉक को औपचारिक रूप से ले लिया है । सीएसएल - मुंबई पोत मरम्मत यूनिट परिसर में दिनांक 18 जनवरी 2019 को 09:00 बजे "पूजा" द्वारा अंकित सौंपने और लेने संबंधी समारोह आयोजित किया गया । अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, उपाध्यक्ष, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, सीएसएल निदेशक, सीएसएल और मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के वरिष्ठ पदाधिकारियां एवं सीएमएसआरयू के कर्मचारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे । सीएमएसआरयू में मरम्मत केलिए डॉक किए गए प्रथम पोत मै. एशियानॉल शिप्पिंग लिमिटेड के एमवी श्रीधर है ।

मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने 2018-19 केलिए कंपनी के वित्तीय और प्रत्यक्ष निष्पादन पर भारत सरकार के पोत परिवहन मंत्रालय के साथ लोक उद्यम विभाग द्वारा निर्धारित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

समझौता ज्ञापन सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के प्रबंधन के बीच एक समझौता दस्तावेज है जो स्पष्ट रूप से समझौते के उद्देश्यों और दोनों पार्टियों (दलों) के दायित्वों को निर्दिष्ट करता है।

एम ओ यू दस्तावेज कंपनी और लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार के बीच विस्तृत चर्चा के बाद प्राप्त होता है और हर साल सरकार और पीएसयू के बीच हस्ताक्षर किए जाते हैं, और प्रत्यक्ष और वित्तीय दोनों मापदंडों के आधार पर पीएसयू के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन किया जाता है।

दिनांक 08 मई 2018 को पोत परिवहन मंत्रालय में आयोजित समारोह में श्री गोपाल कृष्ण, सचिव (नौवहन) ने पोत परिवहन मंत्रालय की तरफ से हस्ताक्षर किए और श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक सीएसएल ने सीएसएल की तरफ से हस्ताक्षर किया।

अंडमान एवं निकोबार प्रशासन केलिए 500 यात्री पोत

अंडमान एवं निकोबार प्रशासन केलिए कोचीन शिपयार्ड में निर्माणाधीन रहे दो 500 क्षमता के यात्री पोतों को दिनांक 30 अक्तूबर 2018 को सीएसएल परिसर में जलावतरण किया गया । श्रीमती कांचन गडकरी, श्री नितिन गडकरी, माननीय पोत परिवहन मंत्री की सुपत्नी द्वारा पोतों का जलावतरण किया गया । इस अवसर पर श्री नितिन गडकरी, माननीय पोत परिवहन मंत्री और श्री पिणराई विजयन, केरल के मुख्य मंत्री उपस्थित थे प्रोफसर के वी तॉमस, सांसद ने समारोह की अध्यक्षता की ।

ये दो आधुनिक पोत, इंडियन रजिस्टर ऑफ शिप्पिंग और अमेरिकन ब्यूरो ऑफ शिप्पिंग के उच्चतम मानकों के अनुसार निर्मित किया है और इंडियन मर्चेंट शिप्पिंग नियमों के अनुसार वर्ग V यात्री पोत के आवश्यकताओं को पूरा करते हैं । वास्तव में ये पोत अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों के निवासियों केलिए एक वरदान होगा और इसके जरिए पर्यटन क्षेत्र को भी बढावा मिलेंगे ।

सीएसएल में सीएसआर

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) को हितधारकों के हितों के आधार पर एक सामाजिक जिम्मेदारी कार्यनीति है । कंपनी पर्यावरण प्रभाव की स्थिरता और न्यूनतमकरण में समुदायों के हितों को संतुष्ट करने का प्रयास करती है । पोत निर्माण क्षेत्र में एक प्रमुख कंपनी के रूप में, कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उसकी निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व संबंधी कार्यनीति हितधारकों की अपेक्षाओं से मेल खाती है । हमारे लिए, हमारी सीएसआर पहलुओं व्यापार वृद्धि और हमारे दृष्टिकोण एवं लक्ष्य की उपलब्धि हेतु लगातार समर्थन करेंगे ।

सीएसआर हस्तक्षेपों की एक श्रेणी के माध्यम से, वर्ष के दौरान, कंपनी उन समुदायों को प्रभावित कर सकती है जो हमारे सबसे महत्वपूर्ण हितधारक हैं । कंपनी ने अपने सीएसआर हस्तक्षेपों केलिए समाज में अपने लिए एक अच्छा नाम कमाया है । बोर्ड द्वारा अनुमोदित और आबंटित सांविधिक सीएसआर बजट 1015 लाख रुपए थे । वर्ष के दौरान, कंपनी को न्यूनतम लक्षित सीएसआर खर्च 1015 लाख रुपए खर्च करने केलिए अनिवार्य किया गया था, लेकिन सीएसएल द्वारा वास्तव में 1041.16 लाख रुपए ही खर्च किया जा सका जो मुख्य रूप से चालू और पूरी की गई सीएसएल सीएसआर परियोजनाओं और संबंधित अप्रत्यक्षित व्यय केलिए खर्च किया गया था । सीएसएल ने 34 मुख्य परियोजनाओं और 41 लघु परियोजनाओं को मंजूर किया गया।

सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा सलाह दिए अनुसार, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की ओर केन्द्रित तरीके से प्रत्येक वर्ष में एक विषय-आधारित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है । वर्ष 2018-19 के दौरान, केन्द्रित हस्तक्षेप केलिए विषयवस्तु के रूप में स्कूल शिक्षा और स्वास्थ्य संरक्षण प्रस्तावित किया गया था, जहां वार्षिक सीएसआर खर्च के 60% इसकेलिए किया जाना चाहिए । ये नए दिशानिर्देश स्वच्छता और स्वच्छ भारत पहल की ओर 33% वैधानिक खर्च की पूर्व सलाह के अधिक्रमण में है ।

आगे, "महत्वाकांक्षी जिला" की पहचान नीति आयोग द्वारा की गई है, को अन्य जिलों की तुलना में अधिक प्राथमिकता दी जाने हेतु प्रस्ताव किया गया है । कंपनी आगामी वर्ष में अपने कार्यक्रम के रूप में वयनाडु जिले में अधिक ध्यान केन्द्रित करने हेतु योजना बना रहे हैं, जो राज्य के एक महत्वाकांक्षी जिले के रूप में पहचाना गया है । वर्ष के दौरान कंपनी ने अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से परियोजनाओं की पहचान, चयन और प्राथमिकता हेतु प्रक्रिया को आगे बढाने केलिए एक "मानक प्रचालन प्रक्रिया" को स्वीकार किया है ।

वर्ष के दौरान, सीएसएल की मुख्य सीएसआर परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है :

- *भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान अधीन पनंपिल्ली नगर कोच्ची में कोयित्तरा चिलड्रन पार्क के लान्डस्केपिंग और संरक्षण केलिए वित्तीय सहायता*
- *आलपुषा के तटवर्ती लोगों केलिए शौचालयों का निर्माण*
- *भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के अधीन एर्णाकुलम के कडमकुडी पंचायत के चेरियान्तुरुत द्वीप गांव में 49 घरों केलिए शौचालय का निर्माण*
- *पालक्काड नगरपालिका में स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित गतिविधियों केलिए समर्थन*
- *आलपुषा और एर्णाकुलम के तटवर्ती गांवों में लोगों केलिए सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने केलिए रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं केलिए समर्थन।*
- *पालक्काड जिले के अट्टपाडी में उर्वा- वाटर एटीएम परियोजना केलिए समर्थन।*
- *भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के अधीन सेक्रड हार्ट हायर सेकन्डरी स्कूल, तेवरा, एर्णाकुलम जिले में शौचालय सम्मिश्र के निर्माण केलिए समर्थन।*
- *भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के अधीन चेलान्नम पंचायत, एर्णाकुलम जिले में घरेलू शौचालयों के निर्माण केलिए सहायता।*
- *पंडित करुप्पन लाइब्रेरी व रीडिंग रूम, तेवरा, कोच्ची केलिए कंप्यूटर रूम और स्मार्ट क्लास रूम केलिए समर्थन*
- *अलफोन्सा अस्पताल, मुरीक्कशेरी, इडुक्की जिले में मैमोग्राफी यूनिट केलिए समर्थन ।*
- *कोचीन निर्वाचन क्षेत्र के छात्रों केलिए अक्षयदीपम शैक्षिक परियोजना केलिए समर्थन*

- *60 बेरोजगार युवा जो बीपीएल परिवार के है, केलिए वेल्डिंग तकनॉलजी में कौशल विकास केलिए वित्तीय सहायता*
- *सोलेस द्वारा अरनाट्टुकरा, तृश्शूर जिले में परामर्श व पुनर्वास प्रशिक्षण केन्द्र के निर्माण केलिए समर्थन*
- *जनरल अस्पताल एर्णाकुलम में नवीनतम रेडियोथेरेपी उपकरण लीनियर पार्टिकल ऐक्सेलरैटर की स्थापना केलिए समर्थन*
- *असीसी स्कूल डेफ मुवाट्टुपुषा केलिए श्रवण बाधित केलिए कौशल निर्माण सहायता*
- *तेक्कुंभागम, विषिञम, तिरुवनंतपुरम के सीमांत महिलाओं केलिए प्रशिक्षण और विकास केन्द्र केलिए समर्थन*
- *अलिम्को के साथ भागीदारी में विकलांग व्यक्तियों के कल्याण केलिए ५० मोटराइज्ड ट्राइसाईकिलों केलिए समर्थन*
- *विवेकानंद रॉक मेमोरियल और विवेकानंद केंद्र, विवेकानंदपुरम, कन्याकुमारी में ५० सीटर समुद्री बोट की खरीद केलिए वित्तीय सहायता*
- *सिंदखेड राजा, बुलदाना जिला, महाराष्ट्र के लोगों के लाभ केलिए जिजामाता प्राइमरी हेल्थ केयर और निदान केन्द्र, क्वार्टर और एम्बुलेन्स सहित अस्पताल उपकरणों के प्रापण/ निर्माण केलिए समर्थन।*
- *सेवानिकेतन तिरूहृदय निवास, परंल, कुरुशुमुड, चगनाश्शेरी, कोट्टयम जिले में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों केलिए एक सेन्सरी तेरापीयूटीक केन्द्र केलिए समर्थन*
- *काञिरपल्ली, कोट्टयम जिले में मानसिक रूप से विकलांगों केलिए वोकेशनल प्रशिक्षण केन्द्र- आश्वास वोकेशनल प्रशिक्षण केन्द्र के निर्माण केलिए समर्थन*
- *कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जहाज प्रौद्योगिकी विभाग में जहाज मॉडल बनाने केलिए एक आधुनिक सेट बनाने केलिए वित्तीय सहायता।*
- *पीएनपीएम हिन्दु मेडिकल मिशन अस्पताल, पोन्नकुन्नम, कोट्टयम जिले में डयालिसिस केन्द्र की स्थापना केलिए समर्थन।*
- *ग्रामीण रोजगार और आर्थिक विकास केन्द्र (सीआरईईडी), आरानमुला, पत्तनमतिट्टा जिले में चरखा और संबंधित सुविधाओं की मरम्मत/ प्रतिस्थापन और बिक्री आउटलेट का पुनर्निर्माण*
- *करुणालयम निराश्रित गृह, त्रिक्काकरा, एर्णाकुलम जिले में सौर ऊर्जा ग्रिड प्रणाली केलिए सहायता।*
- *पीआईएनसी (प्रतिबद्धता के साथ सरलता की रक्षा करना), कलवूर, आलपुषा जिले द्वारा बेसहारा और परित्यक्तों केलिए घरों के निर्माण केलिए समर्थन*
- *आलपुषा जिले में आंगनवाडी केंद्रों की मरम्मत/ उद्धार केलिए सहायता।*

अंतरंग व्यापार (इनसाइडर ट्रेडिंग)

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ने वर्ष 2015 में सेबी (अंतरंग व्यापार का निषेध) विनियमों को लागू किया था । ये विनियम, लोगों जो आम जनता केलिए अनुपलब्ध महत्वपूर्ण मूल्य संवेदनशील निगमित जानकारी (तकनीकी रूप से 'अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील सूचना'(यूपीएसआई) के रूप में जाना जाता है) को गुप्त रखता है, को शेयरों में व्यापार करने और ऐसी सूचना के आधार पर मुनाफाखोरी करने से रोकने की मांग करता है ।

अंतरंग व्यापार को विनियमित करने केलिए, निदेशक मंडल ने कोई भी व्यक्ति जो यूपीएसआई की अभिरक्षा में है, एक इनसाइडर के रूप में कंपनी द्वारा पदनामित किसी एक व्यक्ति और कोई भी जो इससे जुडा हुआ है, अर्थात् रोजगार या ठेके के कारण या संघ जिसे यूपीएसआई के साथ सीधे पहुँच है, के रूप में इनसाइडर को परिभाषित किया है ।

विनियम में आगे बताया गया है कि कोई भी इनसाइडर शेयरों में व्यापार नहीं करेगा, जो यूपीएसआई के कब्जे में हो ।

टी के विश्वनाथन की अध्यक्षता में आयोजित फेयर मार्केट संचालन से संबंधित समिति की रिपोर्ट जो पिछले साल अगस्त में अमल में आयी थी, के आधार पर दिनांक 31 दिसंबर 2018 को सेबी ने 2015 विनियमों में संशोधन अधिसूचित किया था ।

नए विनियमों के तहत सेबी ने मुख्य रूप से निम्नलिखित पर ध्यान केन्द्रित किया है: (i) मुख्य कार्यपालक अधिकारी और साथ ही सीएफओ एवं कंपनी सचिव से दो स्तर नीचे के सभी व्यक्तियों को शामिल करते हुए इनसाइडर की परिभाषा को विस्तृत करें । इनसाइडरों के घनिष्ठ रिश्तेदारों को भी इनसाइडरों के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा । (घनिष्ठ रिश्तेदारों में जीवनसाथी (पति/पत्नी) और कोई भी व्यक्ति शामिल होगा जो आर्थिक रूप से इनसाइडर पर आश्रित है या वित्तीय सलाह केलिए इनसाइडर पर आश्रित है ।)

(ii) इनसाइडर और उनके साथ साझा की गई जानकारी पर एक आधारभूत डेटा-बेस बनाएं - अर्थात् सेबी अब कंपनी के पदनामित इनसाइडरों से पैन, स्नातक के कॉलेज या संस्थान, पूर्व नियोक्ता आदि पर वैयक्तिक सूचना प्रदान करने की मांग करते हैं । इसके अतिरिक्त, किसी अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी प्रेषित की जाने के मामले में, इस पर एक डिजिटल डेटा-बेस, टाइम स्टाम्पिंग और ऑडिट ट्राइल्स के साथ बनाए रखा जाना चाहिए ।

(iii) विनियम उन उद्देश्यों को प्रतिबंधित करते हैं जिनके लिए एक अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी शेयर की जा सकती है । केवल निम्नलिखित 3 परिस्थितियों में, यूपीएसआई शेयर किया जा सकता है ।

★ वैध उद्देश्यों केलिए (हमारे पॉलिसी में खंड 2.10 में परिभाषित किया है ।)

कला वी
कंपनी सचिव व महाप्रबंधक (वित्त)

★ कर्तव्यों के निवर्हन केलिए, और

★ कानूनी दायित्वों के निवर्हन केलिए ।

यूपीएसआई के वास्तविक या संदिग्ध रहस्योद्घाटन संबंधी घटनाओं को प्रबंधन को सूचित करने के कार्य को शामिल करते हुए मुखबिर नीति को भी संशोधित किया गया है ।

संबद्ध व्यक्तियों के मामले में, (कोई भी जो अपनी विशेष स्थिति या एसोसियेशन के कारण यूपीएसआई में पहुँच है ।), यह कार्य साबित करना है कि उन्हें ट्रेडिंग के समय यूपीएसई पर अधिकार प्राप्त नहीं थे ।

उपरोक्त विनियमों के अनुरूप, सीएसएल ने निदेशक मंडल, एसआरसी और विपणन विभाग में सभी मुख्य महा प्रबंधकों, अधिकारियों, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के कार्यालय के अधिकारियों और अन्य निदेशक, कंपनी सचिव के विभाग के अधिकारियों और केन्द्रीय लेखे के अधिकारियों को पदनामित व्यक्तियों के रूप में अधिसूचित किया गया है ।

क्या न करें - सीएसएल अंतरंग व्यापार (इनसाइडर ट्रेडिंग पॉलिसी)

किसी भी व्यक्ति को, निम्नलिखित उद्देश्य को छोडकर, यूपीएसआई की प्रकृति के किसी भी सूचना को न बता दें ।

★ वैध उद्देश्यों केलिए, या

★ कर्तव्यों के निवर्हन केलिए, और

★ कानूनी दायित्वों के निवर्हन केलिए ।

पदनामित व्यक्तियों और निकटस्थ रिश्तेदारों निम्नलिखित अवधि के दौरान सीएसएल के इक्विटी शेयरों से जुडे कार्यों से दूर रहना चाहिए ।

"अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील सूचना" से अभिप्रेत है कि

प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सीएसएल और इसकी प्रतिभूतियों से संबंधित कोई सूचना, जो आमतौर पर उपलब्ध नहीं है, जो आमतौर पर उपलब्ध होने पर प्रतिभूतियों की कीमत को प्रभावित करने की संभावना है और इसमें निम्नलिखित से संबंधित सूचना, लेकिन इस हद तक सीमित नहीं है, सामान्य रूप से शामिल है ।

1 नए आदेशों की प्राप्ति

2 वित्तीय परिणाम

3. लाभांश

4. पूंजी संरचना में परिवर्तन

5. मेर्जर, डी-मेर्जर, अधिग्रहण, डीलिस्टिंग, निपटान और व्यापार का विस्तार तथा

6. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक में परिवर्तन

7 ट्रेडिंग विंडो की समाप्ति

ट्रेडिंग विंडो की समाप्ति की सामान्य अवधि निम्नानुसार है :

अवधि	उद्देश्य
वित्तीय परिणामों के घोषणा के बाद 01 अप्रैल से 48 घंटे तक ।	चौथी तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणाम ।
वित्तीय परिणामों के घोषणा के बाद जुलाई 01 से 48 घंटे तक ।	प्रथम तिमाही के वित्तीय परिणाम ।
वित्तीय परिणामों के घोषणा के बाद अक्तूबर 01 से 48 घंटे तक ।	द्वितीय तिमाही और अर्ध वार्षिक वित्तीय परिणाम ।
वित्तीय परिणामों के घोषणा के बाद जनवरी 01 से 48 घंटे तक ।	तृतीय तिमाही के वित्तीय परिणाम ।

इसके अतिरिक्त, यदि कोई यूपीएसआई किसी पदनामित व्यक्ति के साथ उपलब्ध है, तो, कंपनी सचिव द्वारा उचित समझे अनुसार, किसी भी अवधि केलिए ट्रेड विंडो समाप्त कर सकते हैं ।

नवीनतम पिछले लेनदेन की तारीख छह महीने की अवधि केलिए सीएसएल के शेयरों में कोई कॉन्ट्रा/ रिवर्स लेनदेन न करें ।

सीएसएल शेयरों की मार्जिन आवश्यकताओं और पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं को ध्यान में रखते हुए गिरवी रखने से बचें ।

क्या करें - सीएसएल अंतरंग व्यापार (इनसाइडर ट्रेडिंग पॉलिसी)

1. सीएसएल प्रतिभूतियों में केवल खुली ट्रेडिंग विंडो अवधि के दौरान और यूपीएसआई के अधिकार न प्राप्त होने पर कार्य करें ।

2. कंपनी सचिव से व्यापार केलिए पूर्व -मंजूरी (अनुमोदन के बाद 7 व्यापार दिवस केलिए वैध है) प्राप्त करना है, जहां पदनामित व्यक्तियों या उनके निकटस्थ रिश्तेदारों द्वारा सीएसएल शेयर में प्रस्तावित लेनदेन के मूल्य एकल लेनदेन में 1000 शेयर या सप्ताह में 3000 शेयर से अधिक होता है, और उक्त पूर्व-मंजूरी प्राप्त करने के बाद व्यापार के निष्पादन/ निष्पादित न करने के संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करें ।

3. सीएसएल इनसाइडर पॉलिसी के अनुसार कंपनी सचिव को उचित प्रकटीकरण प्रस्तुत करें ।

4. ट्रेडिंग विंडो समाप्ति से संबंधित सूचना कलिए बीएसई एवं एनएसई जैसे स्टॉक एक्सचेंजों और कंपनी के वेबसाइटों की लगातार जांच करें ।

चूंकि सेबी द्वारा इनसाइडर ट्रेडिंग की नियमित रूप से जांच की जाती है, इसलिए उपरोक्त विनियमों का निष्ठापूर्वक पालन करने की आवश्यकता है ।

हर सुबह उठते ही पांच बाते अपने आप से कहेः {1} मैं सबसे अच्छा हूँ , {2} मैं यह काम कर सकता हूँ , {3} आज का दिन मेरा दिन है , {4} मैं एक विजेता हूँ , {5} भगवान हमेशा मेरे साथ है।

डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम

गोविन्दा गोपाला...

पी एन संपत्त कुमार
सहायक महाप्रबंधक (प्रशा.)

भारतीय नौसेना के युद्धपोत में हमारी लंबी यात्रा मंगलापुरम में कुछ दिनों केलिए ठहर गई। हमारे पास तट पर कुछ ही दिन बिताने केलिए मिले क्योंकि जहाज को वहां रुकना था । हम दो, मैं और मेरे मित्र लेफ्टिनेंट अविनाश शर्मा, युवा अधिकारियां, जिनके पास उस छोटे से तटीय शहर में करने केलिए ज्यादा कुछ नहीं था । पिछले कुछ महीने से एक साथ काम करने से हम दोस्त बन गए थे और एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते थे। अविनाश वाराणसी से है और वहां के एक मंदिर के पुजारी का बेटा है ।

नौसेना ने हमें दुनिया को देखने का अवसर दिया है और कुछ ही समय में, हमने दुनिया के अधिकांश महत्वपूर्ण पत्तन शहरों को देखा । उसकी तुलना में, मंगलापुरम में देखने लायक कुछ भी नहीं था । फिर भी हमने पैदल और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते हुए मंगलापुरम शहर के मुख्य स्थानों का पता लगाने का फैसला किया ।

हम, दोनों, भोजन करने में प्रत्येक रुचि रखनेवाले हैं, हमारा पहला साहसिक काम मंगलापुरम के आसपास में सडक के किनारे के भोजनालय सहित, होटलों में जाकर सभी तरह के भोजनों का मजा लेना था । हम पहले ही सुन चुके हैं कि मंगलापुरम भोजन केलिए प्रसिद्ध है । उस खोजयात्रा के दौरान, हम उडुप्पी पहुँचे, जिसमें एक प्रसिद्ध रसोईघर है जो हर दिन हजारों भक्तों का पेट भरते हैं । उडुप्पी भगवान श्री कृष्ण का निवास स्थान है .... यही एकमात्र जानकारी हमें इसके बारे में प्राप्त थी । जब हम गेट पर पहुँचे, तो, हम एक ऐसे उलझन में पड गए कि क्या मंदिर का दर्शन करना है या सीधे रसोई में जाकर कुछ भोजन करने के बाद वापस जाना है ।

"अरे यार, भगवान का दर्शन किए बजाय उनका प्रसाद खाना ठीक है क्या ?" अविनाश एक पुजारी का बेटा होने के नाते शायद भगवान की उपेक्षा करने में दोषी महसूस किया होगा । मैं, एक दक्षिण भारतीय होने के कारण, वहां का संस्कार जानता था । मंदिर में जाने केलिए हरेक को पारंपरिक रूप से कपडे पहनना चाहिए, जबकि हम दोनों आधुनिक पहनावे में थे । हम असहाय होकर वहीं खडे रहे।

"आइए साहब, भगवान का दर्शन करना है ? जल्दी आइए, मंदिर बंद होनेवाली है" ! एक युवा लडका हमारे सामने आया । मैंने उसकी ओर देखा । उसकी उम्र लगभग सात-आठ वर्ष होगी । रंग में साँवला है । उसका एक मुंडा सिर है, जिसके पीछे कुछ बाल है और उसके माथे पर चंदन का लेप लगाया गया है । हमारे पास कोई उचित पोशाक नहीं है, हमने अपनी असहायता को व्यक्त किया । "चिंता मत करो साहब, मैं आपके लिए सभी व्यवस्था करूँगा" । वह हमें जल्दी से एक ऐसी जगह ले गया जहां हमें सफेद धोती और अंगवस्त्रम (ऊपरी शरीर को ढंकने केलिए कपडा) दिया गया था । हमने जल्दी से नई पोशाक पहनी और अपना सारा सामान लॉकर में रख दिया ।

बाद में, हम ने भीड में लडके को ढूंढा, "अरे, तुम्हारा नाम क्या है?", मैंने पूछा । "मैं गोपाल हूँ"..... वह जल्दी से मंदिर तक पहुँचने केलिए हमारे लिए रास्ता बनाते हुए आगे बढा । "साहब, खिडकी से देखो" लडके ने हमें आवाज दी । भगवान की पूजा नौ छेदोंवाली एक चांदी की परतवाली खिडकी के द्वारा की जाती है । भगवान को देखते हुए मैं और अविनाश मंत्रमुग्ध हो गए । यह कृष्ण भगवान है, एक बांसुरी लिए हुए, जिनके पास एक गाय भी है । " गोविंदा, गोपाला, हमारी रक्षा करें ....." मैं अविनाश की बडबोली प्रार्थना सुन सकता था ।

वहां से निकलने का समय हो गया था । हम अपना वस्त्र बदलने और सामान इकट्ठा करने केलिए लॉकर काउंटर की ओर बढे । वहां बिल जमा करने के बाद हमने गोपाल की तलाश की । हम उसे कुछ बक्षीश देना चाहते थे । वह कहां है ? लेकिन वह दिखा नहीं । मैं मंदिर में जाकर वहां के लॉकर सेक्शन में काम करनेवाले लोगों से गोपाल के बारे में पूछा । "क्या आपने उस लडके को देखा है जो हमारे साथ आया था और जिसने हमारी मदद की थी ... । उसका नाम गोपाल है ।" "हमें मालूम नहीं है साहब, हमने किसी को नहीं देखा है ।"

वहां से हम रसोई में गए और वहां दोपहर का भोजन किया । भीड में, भोजन परोसनेवाले लोगों के बीच, हर जगह हमारी आंखें उस युवा गोपाल को ढूंढ रही थी, परन्तु वह कहीं नहीं मिला । दोपहर के बाद हम जहाज पर लौट आए और कुछ ही दिनों में और एक दूर देश की ओर रवाना हो गए ।

अब मैं सेवानिवृत्त हो गया हूँ । कभी-कभी मैं अपने परिवार के साथ मंदिर जाता हूँ और मैंने अपने दोस्त गोपाल के लिए अपनी खोज नहीं छोडी और उसका पता लगाता रहा । अविनाश ने अपने पिता के पेशे को संभाल लिया और एक मंदिर में पूर्णकालिक पुजारी बन गया और वह हर दिन गोपाल को अपने भगवान के रूप में देखने का दावा करता है ।

क्या तुमने कभी यमराज (मृत्यु का देवता) से मुलाकात की है....

हाँ हमारे सीएसएल (कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड) बाढ राहत टीम ने की है.....

दिनांक 16 अगस्त 2018 के समाचारों में बाढ के आसपास की खबरें प्रसारित हो रही थीं और मुख्य सडकों से अलग हुए राहत कैंपों से खाद्य सामग्री की प्राप्ति हेतु बहुत से फोन आए। सीएसएल ने स्वैच्छिक रूप से आलुवा और परवूर के ऐसे कैंपों में खाद्य सामग्री पहुँचाने की पहल की। जब हम आलुवा पहुँचे तो हमें विश्वास नहीं हो रहा था कि पानी 6 फीट की ऊंचाई पर बह

रहा था। हमें डर था कि कहीं हम डूब और बह न जाए। हमने यह फैसला लिया कि हम दूसरे मार्ग से निकलेंगे। देखते ही देखते पानी बढता जा रहा था। तभी हमें नौसेना से यह सूचना मिली कि वे हवाई संभरण द्वारा भोजन पहुँचाने में हमारी मदद कर सकते है और इस हेतु हम नौसेना आयुध डिपो की ओर बढे लेकिन वे यह व्यवस्था नहीं कर सके क्योंकि उन्हें यह निर्देश मिला कि पहले जान बचाने का प्रबंध किया जाए। इसलिए हमने इन वस्तुओं का वितरण आसपास के कैंपों में किया जहाँ हमने देखा कि लोग आसुओं से भरे निराश आँखों से हमारा स्वागत कर रहे थे।

अगले दिन फिर से हमारा मिशन शुरू हुआ और हमारी फायर टेंडर और सुरक्षा टीम भी हमारे साथ जुड गई ताकि हमें इस प्रावधान तक पहुंचने में मदद मिल सके। हमने आलुवा पहुँचने केलिए परवूर से होकर रास्ता तय किया और वरापुषा पहुँचने के बाद हमने देखा कि पूरा इलाका बाढ के चपेट में आ चुका था। स्थानीय लोगों ने हमें कुछ सलाह भी दी उसके अनुसार हमने बडे मुश्किलों का सामना करते हुए विभिन्न स्थानों के कैंपों में वस्तुओं को वितरित किया। जैसा कि इन क्षेत्रों में पहुँचने वाला पहला वाहन हमारा था, लोग खाद्य पदार्थों और पीने के पानी केलिए भीड मचा रहे थे। वे मौसम के बारे में भी पूछ रहे थे। जैसे ही हम पांच बजे वापसी करने वाले थे हमें एक

तंकराज सी आर
वरिष्ठ प्रबंधक (कल्याण अधिकारी)

महिला का फोन आया जो प्राइवेट बस स्टेंड के पास रहती थी। हम वहाँ पहुँचे तो देखा कि पानी का बहाव बहुत तेज था और स्तरभी बढ रहा था। घर पहुंचकर हमने देखा कि उस महिला के माता-पिता लगभग 94 साल के करीब थे और उनकी बहन 40 वर्ष की थी। सभी डरे हुए मालूम पड रहे थे। हमने किसी न किसी तरह उस परिवार को बचा लिया और तब जाकर उन्होंने चैन की सांस ली।

हमें उनका हंसता हुआ चेहरा देखकर बहुत ही गर्व महसूस हो रहा था। समय शाम छह बज रहा था और हम वापस जाने केलिए तैयार थे तभी दूसरा फोन आया कि छह सदस्यों का एक परिवार फंसा हुआ है। हम बहुत मुश्किल से वहां पहुंचे। वडक्केकरा पुल का दृश्य भयानक था। लोग बचाने केलिए चिल्ला रहे थे क्योंकि कोई भी टीम वहाँ तक पहुँच नही पाया था। पूरा सडक नदी बन गया था। न राह का पता न टिकाने का। हमने अपनी गाडियां स्थानीय लोगों को दे दिया और इस प्रकार वहाँ से 30 लोगों को राहत कैंपों तक पहुंचाने में सफल हुए।

इस प्रकार की घटनाओं का सामना करते हुए हम अंत की ओर बढ रहे थे तभी मैंने देखा कि हमारा एक सदस्य राहत टीम को बचा रहा था और तभी एक काला कुत्ता वहां आ पहुंचा वो उस आदमी के चारों और सूंघता हुआ जा रहा था। हमने कुत्ते को भगाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं जा रहा था। तभी मुरली ने जोखिम भरा कार्य करना शुरू किया तो कुत्ता हाहूकर कर रहा था। जैसे ही हमने तीनों की जान बचायी तो कुत्ता गायब हो गया। भले ही वह अंध विश्वासों में विश्वास नहीं करता फिर भी वह भडभडाने लगा कि चाहे यमराज (मृत्यु का देवता) हो।

2018 केरल बाढ ने इतिहास में अपनी जगह बनायी है जिसमें हमारी टीम भी एक हिस्सा बन चुकी है। हमारे टीम के सदस्यों को एक बडा सलाम।

हमारे अंदर का शैतान

कल मेरे सामने मेरे दो रिश्तेदारों के बीच एक ज़ोरदार बहस हुआ था। प्रत्येक व्यक्ति यह साबित करने में तुले हुए थे कि वे सही थे और दूसरा गलत था या बेसमझ था। ऐसा क्यों हुआ? एक कारण यह हो सकता है कि बचपन से ही हमें घर पर माता-पिता या बड़ों से कई तरह की नसीहतें (चेतावनी / डांट) दी जाती है। ऐसी ही एक नसीहत है कि हमें दूसरों को परेशान नहीं करना चाहिए। बचपन के गुज़रने के बाद, हम अपने घर से बाहर निकलकर विभिन्न वर्गों जैसे स्कूल, नौकरी आदि में शामिल होने के लिए जाते हैं। नसीहत वहाँ हमारे आचरण के स्वरूप को मार्ग दिखाता है। दूसरों को परेशान न करने के लिए, हम दूसरे की समझ बनाने की कोशिश करते हैं। इसलिए, जब दूसरा एक बेसमझ तरीके से व्यवहार करता है, या किसी अन्य तरीके से जिसका हम वर्णन नहीं कर सकते हैं, तो हम एक उलझन में फंस जाते हैं कि दूसरों को परेशान करना खतरनाक है। इसलिए दूसरे को संगत में वापस लाना हमारा कर्तव्य बन जाता है (या हमारे शब्दों में उन्हें होश में लाने के लिए), कि हम उन्हें परेशान न करने में ध्यान रखें।

सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कार्यक्रम के वर्तमान संस्करणों के भीतर अवशेष अप्रचलित कोड़, जो अब उपयोगी नहीं हैं उनके बारे में व्याख्या देते हैं। इन्हें कभी कभी 'मशीनों का शैतान' कहा जाता है। भविष्य में, गलती से भी अगर यह फिर से चालू होता है, तो यह वर्तमान प्रचालन को प्रभावित करेगा। पहले बताई गई नसीहतें हम सब के दिमाग में 'शैतान' हैं। यह बेहतर होगा कि हम अपने स्वयं के 'शैतानों' और नसीहतों को समझें जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं। यह हमें दूसरों के प्रति अपने व्यवहार को सही करने में मदद करेगा।

तो हमें क्या करना चाहिए?

हम यह समझेंगे कि बेसमझ व्यक्ति से तर्क-वितर्क करने की कोशिश करना बिल्कुल बेकार है। उस समझ पर, जब ऐसी स्थिति आती है, तो हम अपनी भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करेंगे। जब वह विफल होता है, तो हम उससे प्रत्यक्ष रूप से दूर भागने की कोशिश करेंगे। अगर यह भी संभव नहीं है, तो हम तर्क से अलग होकर मानसिक रूप से दूर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि हम वहाँ प्रत्यक्ष रूप से है लेकिन मानसिक रूप से नहीं।

मुकेश शंकर एम. एस
वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक)

उपरोक्त सभी या किसी भी चरणों के ज़रिए जाने के बिना, हमारे पास एक और विकल्प है। हम यह जानने की कोशिश करेंगे कि दूसरे व्यक्ति का तर्क किस लिए था। हम बेसुध की समझ बनाने की कोशिश करेंगे या समझ से बाहर के कार्यों को समझने की कोशिश करेंगे। यह तब संभव है, जब हम अपने अंदर के 'शैतान' को पहचानने की कोशिश करेंगे। हम अपने रिश्तों में कभी अकेले नहीं रहें हैं। हम अपने "शैतानों"के साथ हैं। यह "बेसमझ अन्य" हमारे जीवन में किसी के लिए, आमतौर पर अतीत से बदली बन जाता है। वे एक पटल की तरह बन जाते है, जिस पर हम अपने नकारात्मक और सकारात्मक गुणों को प्रदर्शित करते हैं और फिर उसे अपने स्वयं के रूप में स्वीकार करने की अनुमति नहीं दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, हमारे माता-पिता से निकम्मा होने के लिए डांट मिला होगा। फिर, नौकरी में रहते हुए, हमारे सहकर्मी ने हमें 'बेसमझ' मानकर हमारी प्रभावकारिता पर चोट लगाया है, क्योंकि यह हमें हमारे माता-पिता के डांट की याद दिलाती है। सहकर्मी का यह बेसमझ व्यवहार'हमारी शर्मिंदगी का कारण बनेगा, जिससे हमें दूसरों के प्रति अधीरता के भाव को बढ़ाने, छिपाने या प्रक्रिया को जटिल बनाने में और पीछे हटने का कारण बनेगा।

अतः यह समझा जा सकता है कि कई बार हम खुद अपने प्रति दूसरों के रवैये का कारण बन जाते हैं। हम इसे सही करते हैं, और उनका दृष्टिकोण बदल जाता है।

मैंने उपरोक्त लेख की रचना 'जेरी कोलोना' द्वारा रचित पुस्तक 'रीबूट' से प्राप्त प्रेरणा के आधार पर की है।

निवेश - समालोचक आपको न डराएं...

आशा वी राव
वरिष्ठ प्रबंधक

बीमा एक लाभ- विहीन कार्य नहीं है

जब हम बीमा के बारे में सुनते हैं तो हम उथल- पुथल हो जाते है। यहाँ तक कि टिनटिन कॉमिक्स के अदम्य कैप्टन हैडॉक पर एक मजाक भी है, जो एक बीमा एजेंट के चेहरे पर दरवाजा पटकने से पहले कहता है, ' केवल एक चीज जो मैं बीमा नहीं करता हूँ बह बीमा एजेंट हैं' ।

एक सार्वजनिक कल्याण की वस्तु पर इतनी असहमति क्यों प्रकट की जाती है। पेशेवर अनुमान है कि हमारी आबादी में बीमाकृत भारतीयों की संख्या केवल 5 प्रतिशत है।

यह प्रतिरोध क्यों

आमतौर पर बीमा की ओर उपेक्षा के दो कारण है।

एक यह है कि व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने केलिए एजेंट उत्पादों को गलत तरीके से बेचते हैं। वे एजेंटों केलिए आचार संहिता के मार्गदर्शक सिद्धांतों का उल्लंघन करते है जो स्पष्ट रूप से बीमा की जरूरत पर आधारित बिक्री पर प्रतिबंध लगाते है।

दूसरा, लोगों को धन- संबंधी योजना में खुद को डुबाने में एहतियाती बरतनी पड सकती है जो उन्हें अपनी खुद की मृत्यु दर की याद दिलाती है। भविष्य की अप्रिय घटना केलिए एक तृतीय कारण धन पर निर्भर करता है जब वे वर्तमान की चिंताओं से घिरे होते है।

ब्याज आमतौर पर एक निरर्थक बैंक जमा विवरणी की तुलना में अधिक होता है, जो कि बढती मुद्रास्फीति और मौद्रिक मूल्य की हानि को मुश्किल से खत्म करता है।

बीमा का उपयोग

ऐसी नीतियां हैं जो विभिन्न लोगों की बदलती जरूरतों को पूरा करती हैं। पैसे केलिए, पारंपरिक योजनाएं हैं जो बचत को स्थगित कर देती हैं।

अधिक साहसी लोग बाजार आधारित उत्पादों का चयन करते हैं। सेवानिवृत्त लोग वार्षिकियां चुनते हैं। इस प्रकार मानव जरूरतों और चाहतों की एक पूरी श्रृंखला को जीवन बीमा पॉलिसियों द्वारा संबोधित करती है, जो हमें बुरी घटनाओं के परिणामों से बचाती है।

बीमा, तो करों पर समेटना नहीं है, न ही एक बडा पैसा कमाने पर अपने दाव लगाने केलिए है, बल्कि अपने आय प्रवाह को रोकने की संभावित घटना में खुद को और अपने आश्रितों को बचाने केलिए है।

नई पेंशन कवरेज

सेवानिवृत्ति योजना हर व्यक्ति केलिए महत्वपूर्ण अहमियत का है। पारंपरिक परिवारों का टूटना प्रत्येक व्यक्ति को लंबे और फलदायी जीवन केलिए वित्तीय रूप से तैयार होने केलिए अनिवार्य बनाता है।

जब तक समय पर बचत की योजना पर पहले से काम नहीं किया जाता है, तब चलना मुश्किल हो जाता है क्योंकि वृद्धावस्था ढह जाती है। तो ऐसे कौन से विकल्प हैं जो सेवानिवृत्तों को राहत प्रदान करते हैं।

कई उल्लेखनीय बजट योजनाएं निवेशकों का ध्यान आकर्षित करती हैं। हाल ही में लोकप्रिय हुई राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस), पेंशन निधि नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के सौजन्य से एक सेवानिवृत किट बनाने केलिए उपयोगी साधन है।

रोचक विकल्प

व्यक्तिगत एन पी एस में प्रति वर्ष न्यूनतम 6000 रुपये की राशि स्वीकार्य है। 65 वर्ष की आयु होने तक एक व्यक्ति को इस खाते में योगदान देना होता है। संचित राशि आकर्षक दरों पर ब्याज अर्जित करती हैं।

60 वर्ष की आयु हो जाने पर, खाता धारक 60 प्रतिशत निधि मूल्य प्राप्त करने का हकदार है और पीएफआरडीए के साथ अनुमोदित किसी एक निधि प्रबंधकों से वार्षिकी खरीदने केलिए शेष 40 प्रतिशत को ठेके पर देना है। एनपीएस में लाकर सरकार ने एक सार्वजनिक सेवानिवृत्ति के असंख्य समवाय केलिए एक महान सेवा की है।

बीमा कंपनियां आकर्षक वार्षिकी और पेंशन योजनाएं प्रदान करती हैं, जो एकमुश्त राशि का निवेश करती हैं औरर वार्षिकी ग्राही को जीवन केलिए समय- समय पर भुगतान प्रदान करती हैं। यहाँ अतिरिक्त लाभ सहवर्ती बीमा कवरेज है जो बिना किसी अतिरिक्त खर्च के आता है।

अनिश्चय बचत केलिए तीसरा विकल्प वृत्ति योजनाओं के माध्यम से हैं जिन्हें साझाकोष द्वारा फैलाया गया है। हालांकि साझाकोष निवेश बाजार के जोखिमों से भरा होता है, लेकिन लंबी अवधि की सीमा के निर्माण और धन को बढावा देने केलिए इक्विटी और अन्य जोखिमपूर्ण परिसंपत्ति वर्गों से जुडकर तेज गिरावट का कारण बनता है।

निवेश सूची मिश्रण

इसके अलावा, आप एसआईपी या व्यवस्थित निवेश योजनाओं के माध्यम से प्रणालीगत जोखिमों को और बढा सकते हैं। ऐसे निधि जो जी- सेकंड में निवेश करते हैं, वे नियत आय या निगमित अनुबंध का मूल्यांकन करते हैं, जो आमतौर पर विवरणी या उससे अधिक का बैंचमार्क देते हैं। ऋण और इक्विटी के विवेकपूर्ण मिश्रण में, इनमें से किसी को अलग से या संयुक्त रूप से चुनने से, निश्चित रूप से सेवानिवृत्ति विषाद को हरा देने की उम्मीद की जा सकती है।

सांप्रदायिकता

सांप्रदायिकता शब्द कम्यून शब्द से लिया गया है, जिसका शब्दकोश में अर्थ है स्वशासी प्रणाली के साथ एक स्थान पर रहनेवाले लोगों का संप्रदाय।

अनादिकाल का ज़िक्र करते वक्त हमें पता चला है कि आदिम पुरुष नेता के नेतृत्व में छोटे समूहों में रहते थे। भारत में इन समूहों को ' गोत्रास ' कहा जाने लगा है।

इन समूहों के बीच ईश्वर शक्तियों की कोई उचित अवधारणा नहीं थी। हालाँकि अग्नि, वायु और पानी जैसी प्राकृतिक शक्तियों को खुश करने के लिए अनुष्ठान किए गए जिसे आदिम पुरुष ने एक अलौकिक शक्ति का कार्य समझा था। भगवान और धर्मों का विकास बाद में हुआ।

जब सांप्रदायिकता की ओर वापस आते हुए, इसे ऐसे परिभाषित किया जा सकता है कि मेरी शुभ-चिंतक न होने की भावना और उसके बाद की नफरत का परिणाम एक के दिमाग में नहीं आता, यदि दूसरा उसकी जाति या पंथ से नहीं जुड़ा होता। अब मैं इस विषय को भारतीय रंगभूमि में पेश कर रहा हूँ क्योंकि आज- कल यह उपद्वीप सांप्रदायिक विष में डुबा हुआ है।

पूरे भारत में मुख्य रूप से तीन धर्म फैला हुआ है। वे हैं हिंदु , इस्लाम और ईसाई। इनमें से कोई भी धर्म द्वेष की बोली का प्रचार नहीं करता है। कुरान कहता है, जो अपने पड़ोसी के भूखे पेट को भोजन नहीं देता वह इंसान नहीं है। बाइबिल कहता है, जैसा तुम अपने आप से प्यार करते हो वैसा अपने पड़ोसी से प्यार करो। हिंदु धर्म कुछ और आगे बढ़कर कहता है कि लोक समस्ता सुखिनो भवंतु, इसका मतलब है कि इस ब्रह्माण्ड में संपूर्ण जीवों का निवास सुखमय हो।

उत्तम आदर्श और नेक कामों वाले तीन धर्मों के होने के बावजूद यह एक व्यंग्य है कि सांप्रदायिकता हमारी मातृभूमि की दिनचर्या बन गई है। और यह देखना काफी दर्दनाक है कि जिस देश को हम गर्व से विविधता में एकता होने की घोषणा करते हैं, वह दिन-ब-दिन जलते हुए ज्वालामुखी में परिवर्तित हो रहा है। हमने कहाँ गलती की ?

इस दयनीय दुर्दशा के लिए कारण असंख्य हैं। प्राचीन भारत मूल रूप से एक हिंदू राष्ट्र था। फिर उत्तर में फारसी और मुगल शासकों का अतिक्रमण और दक्षिण में हैदर अली और टीपू सुल्तान का आक्रमण हुआ। इन दोनों घटनाओं के बाद हिंदू धर्म से इस्लाम धर्म में बड़े पैमाने पर रूपांतरण किया गया। यूरोपीय लोगों ने उस समय का पालन किया जब उन्होंने केवल ईसाई धर्म में परिवर्तित होने के अंतर के साथ शासन किया।

एम के पीटर
अनुदेशक, मेटी

इन घटनाओं ने हिंदूओं के मन में जले पर नमक छिड़कना जैसा काम किया और उन्हें अन्य दो धर्मों को भौतिक लाभ के लिए विश्वास के गद्दार के रूप में देखने को मजबूर किया। इस बीच अल्पसंख्यक समुदायों ने असुरक्षित और पृथक महसूस किया।

यदि यह धर्मों के बीच की स्थिति है तो धर्मों के भीतर भी असमानताएं हैं। हिंदू धर्म में ' चतुरवर्णा ' को विभिन्न क्षमता के लोगों को अलग करने के लिए पेश किया गया था, लेकिन लंबे समय में यह जाति व्यवस्था बन गई, जिसने "वसुदैव कुडुम्बकम" यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, जो हिंदु धर्म की नींव है, इस अवधारणा को उखाड़ फेंका। इस्लाम में भी विभिन्न संप्रदाय बेवकूफ है जो खून बहाने में तुले हुए है। ईसाई धर्म में विभिन्न मण्डली धर्म परिवर्तन वरिष्ठता के आधार पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित करने के लिए एक दूसरे के साथ शीत युद्ध लड़ रहे हैं।

फिर भी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारत में सांप्रदायिक सौहार्द कायम रहा। विभिन्न धर्मों के नेताओं ने ब्रिटिश राज से लड़ने में कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय रूप से भाग लिया। तब हमारे पास भारतांबा को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करने का सामान्य लक्ष्य था। स्वातंत्र्योत्तर भारत में दुर्भाग्य से परिदृश्य बिलकुल अलग है। पाकिस्तान के गठन ने आग में ईंधन डाला है। तब भी जवाहरलाल नेहरू ने अपने अच्छे प्रशासन और राजनीतिज्ञता के साथ धर्मनिरपेक्षता की सही परिभाषा पर कोई संदेह किए बिना इस देश पर शासन किया। शासन के मामलों में सांप्रदायिक नागों को अपना फण फैलाने की अनुमति नहीं दी गई थी। यद्यपि वे नास्तिक बने रहे लेकिन उन्होंने सभी धर्मों के प्रति सम्मान व्यक्त किया और किसी भी धार्मिक तत्व को प्रशासन में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी।

उनकी मृत्यु से एक बौद्धिक प्रलय महसूस किया गया था और यह खालीपन अभी तक भरा नहीं है। फिर तुष्टिकरण राजनीति और वोट बैंक की अवधारणा को मनाने का युग आया। यही कारण है कि आजकल धर्म उन कार्यालयों को संभालने का एक आधारशिला बन गया है जो मोक्ष प्राप्त कर रहें हैं।

बौद्धिक कट्टरता से गुज़रने पर लोग धर्मांधता की ओर मुड़ते हैं। जहाँ तक प्रांत की प्रगति की प्रक्रिया का सवाल है, वे कट्टर हैं। यदि उनके मस्तिष्क में एक विचार डाला जाता है तो वह एकांत

कारावास से मर जाएगा। और तथाकथित धार्मिक नेताओं के बौद्धिक दिवालियापन को पूरी तरह से उजागर किया गया है जब वे सपनों की दुनिया में जीते हैं, और वे सीधे - साधे अनुगामियों को अभियान पर ले जाते हैं और बाद में अच्छी तरह से गठा हुआ षड्यंत्र के ज़रिए हिंसा करते हैं। वे कैफेटेरिया शैली में अपना जीवन बिताते है। केवल स्वयं सेवा! और अपनी आमदनी से ज़्यादा धन एकत्रित करते हैं।

कैसी विडंबना है! स्वामी विवेकानंद और अरबिंदो जैसे दार्शनिकों और अध्यात्मवादी को जन्म देने वाला देश आशा राम बापू और राम- रहीम बाबा जैसे नकली सन्यासी को पैदा कर रहा है, और वे वेद, उपनिषद और गीता के अपार धन की खोज करने के बजाय " वात्स्यायना " बेचने के लिए अधिक उत्सुक हैं।

यदि हमारे देश में एक सांप्रदायिक विस्फोट होने दिया जाता है, तो यह देश के बहुत धर्मनिरपेक्ष तंतुओं को तोड़ देगा और राष्ट्रीय तबाही का मार्ग बनाएगा।

अब हमें यह सोचना होगा कि सांप्रदायिकता के मूल कारण को कैसे समाप्त किया जा सकता है।

सबसे पहले सभी धर्मों और राजनीति को दो विभिन्न निर्विवाद कक्षों में अलग-अलग रखना चाहिए। जहाँ तक देश के शासन का सवाल है, धर्मगुरुओं को हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इमाम, स्वामी और बिशप अपने पूजा स्थलों में बैठे रहें और राजनीतिक प्रचार के लिए सड़कों के किनारे की दीवारों को साफ करने के बजाय अपने अनुगामियों की आत्मा को साफ करें। वे अपने शिष्यों को अपने धर्म के मूल सिद्धांतों को सिखाएं। सबसे अनिवार्य रू प से! आइए हम गरीबी और भ्रष्टाचार के उन्मूलन के सामान्य उद्देश्य के लिए लक्ष्य करें जो देश को समृद्धि की ओर ले जाएगा।

" सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा हमारा "।

बीफ चॉप्स

लेया अलेक्स के
उच्च प्रशिक्षार्थी

आवश्यक सामग्री

1.	बीफ	-	½ कि.ग्रा.
2.	प्याज़	-	2
3.	हरी मिर्च	-	5
4.	अदरक	-	1 टुकडा
5.	लहसुन	-	5 फलियां
6.	करी पत्ता	-	10-15 पत्तियां
7.	सिरका	-	2 चम्मच
8.	नारियल का दूध	-	पहला दूध , दूसरा दूध
9.	तेल	-	आवश्यकतानुसार
10.	नमक	-	आवश्यकतानुसार
11.	दालचीनी	-	बडा टुकडा
12.	इलायची	-	5
13.	लौंग	-	5
14.	काली मिर्च	-	¼ छोटी चम्मच
15.	सौंफ	-	½ छोटी चम्मच
16.	धनिया पाउडर	-	1 बडी चम्मच
17.	हल्दी पाउडर	-	¼ छोटी चम्मच

विधि

बीफ, नमक और हल्दी पाउडर के साथ पकाने के बाद, चौकोर टुकडे में अलग रखें । कढाई में तेल गरम करें और इसमें लंबाई में कटे प्याज़, हरी मिर्च, करी पत्ता , पिसी हुई अदरक, लहसुन और नमक डालकर भूनें । 11 से 17 तक के मसाला मिश्रण को अच्छी तरह से पीसें । प्याज़ भूनने के बाद, इस मसाला लेप को तेल तलने तक भूनें । अब इसमें नारियल का दूसरा दूध मिलाकर उबालें । आगे, इसमें पके हुए बीफ को डालकर 10 मिनट तक धीमी आंच में ढक कर पकाएं । अब इसमें सिरका मिलाकर उबालने के बाद नारियल का पहला दूध मिलाएं ।

गरमा गरम बीफ चॉप्स तैयार ।

एक अनोखी दास्तां...

जिंदगी के सफर में हिंदी का साथ एक ऐसे मोड पर ले आया, जिसकी कल्पना कभी की ही नहीं थी। पेशेवार जिन्दगी की शुरुआत बैंक से हुई, जो बढकर स्कूल के जीवन से गुजरते हुए हिंदुस्तान न्यूजप्रिंट लिमिटेड (एचएनएल) तक जा पहुँची जो अभी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड पर टिकी हुई है। वैसे तो हिंदी के बारे में सोचते ही लोग हिचकिचाते है, लेकिन मेरी ओर से देखें तो हिंदी का साथ बहुत ही निराला है।

एचएनएल में हिंदी अधिकारी के रूप में काम करते वक्त मेरे जीवन में एक ऐसा अनुभव हुआ जिसकी मैने कभी कामना नहीं की थी।

हर रोज के भाग - दौड के बीच एक दिन एक फोन कॉल आया। ट्रिंग....ट्रिंग....। क्या मैं एचएनएल के हिंदी अधिकारी से बात कर सकता हूँ! जी हाँ, मैं ही हिंदी अधिकारी हूँ, बोलिए। मैं पालक्काड एफसीआरआई से मानव संसाधन का प्रबंधक बोल रहा हूँ। उन्होंने कहा.....मैडम जी, आपसे एक मदद चाहिए थी। हमारे यहाँ एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन भारी उद्योग व लोक उद्यम मंत्रालय के माननीय मंत्री श्री अनंत गीते जी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे केवल हिंदी में भाषण देंगे जिसका अंग्रेजी अनुवाद स्टेज पर करना होगा। यह इसलिए कि वहां ज्यादातर सदस्य विदेशी लोग होंगे। उन्होंने यह भी बोला कि इसके लिए पाल्लकाड जिले के सभी कॉलेजों और स्कूलों के प्राध्यापकों से बात की, लेकिन कोई भी इसके लिए राजी नहीं हो रहे थे। फिर हमने मंत्रालय से इस बारे में बात की, तब जाकर उन्होंने आपके कार्यालय का जिक्र किया । इसलिए मैं आपकी मदद चाहता हूँ। क्या आप राजी है?

कार्यक्रम के बारे में जब मैंने पूछा तब पता चला कि कार्यक्रम परसों ही है। यह सुनते ही मेरे पैरों के नीचे से जमीन घिस गयी। मेरा पूरा शरीर कांपने लगा। मैंने फोन के जवाब में तो हां कर दिया, लेकिन फिर इसके बारे में सोचने पर बिलकुल घबरा गई। कार्यालय में मेरे साथियों ने भी मेरा हौसला बढाया और कहां कि ऐसा अवसर फिर नहीं मिलेगा इसे गंवाना मत। शाम को जब मैने इसका जिक्र अपने पति के साथ किया तो उन्होंने मुझे इतनी हिम्मत दी कि मैंने जाने का फैसला कर ही दिया।

लिजा जी एस
हिंदी अनुवादक

फिर अगले दिन कार्यक्रम के प्रबंधक से जब बातचीत हुई तो उन्होंने कहा कि हमने एक भाषण तैयार करके मंत्री जी को दिया है, जिसका अंग्रेजी अनुवाद हम आपको दे देंगे। मैंने कार्यालय प्रधान से अनुमति ली और पालक्काड जाने की तैयारी में लग गई। बाद में जब इसके बारे में सोचा तो मुझे यहां- वहां की चिंताएं घेरने लगी।

वह दिन आ पहुंचा.....। अगले दिन के कार्यक्रम केलिए हम पिछले दिन शाम को रवाना हुए। घबराहट के कारण जाते वक्त पूरा मंत्री जी का भाषण यूट्यूब में सुनती रही , जिससे उनकी भाषा शैली पता चले। रात को साढे नौ बजे हम पालक्काड के एफसीआरआई के गेस्ट हाउस में आ पहुँचे। समय गुजरने के साथ - साथ दिल की धडकन तेज होने लगी।

अगले दिन सुबह, कार्यक्रम केलिए तैयार होकर उस जगह पहुंची जहां एक ऐसी खबर मेरी प्रतीक्षा कर रही थी, जो मैंने सपने में भी नहीं सोचा था। मुझसे मिलते ही उन्होंने थोडी हिचकिचाहट के साथ ये खबर सुनाई कि मंत्री जी शायद अपने ही शब्दों में भाषण देंगे। यह सुनते ही जो हिम्मत मैंने बडी मुश्किल से बटोरा था वह पिघल गया। लेकिन मेरे पति ने इतना हौसला दिया कि मैं कुछ हिम्मत जुटा पाई।

मंत्री जी के आगमन के साथ वह शुभ घडी आ पहुँची। कार्यक्रम शुरू हुआ। प्रार्थना के बाद स्वागत भाषण हुआ। अगला मंत्री जी का भाषण.....। मुझे स्टेज पर बुलाया गया.....। जैसे ही मैं स्टेज पर चढी मंत्री जी ने मेरे हाथ में भाषण का कागज देखकर कहा कि मैं इस में से कुछ नहीं बोलूँगा...क्या तुम कर सकते हो? न जाने कहा से एक चमत्कारी शक्ति मेरे अंदर आ गई और मैंने कहा कि हां, मैं कर सकती हूँ। वह शक्ति कुछ और नहीं मेरे भगवान का दिया हुआ शक्ति था जिसके बल पर मैंने वहां खडे होकर लगभग दस मिनट उनके भाषण का अंग्रेजी अनुवाद बिना कोई झिझक के साथ किया। भाषण के बाद मंत्री जी ने अनुवाद की प्रशंसा की और सभी ने तालियाँ बजायी।

यह एक ऐसा अनुभव था जो सिर्फ हिंदी भाषा के कारण एक आम व्यक्ति को मिला.....

अज्ञानता के कारण सफलता पाने की असमर्थता

कोसला साम्राज्य के राजा थे युगांधर । उन्हें शादी के 15 वर्ष के बाद एक बच्ची हुई, उसका नाम है अवंतिका । वह एक बुद्धिमानी, धनुर्विद्या, तलवारबाज़ी में श्रेष्ठ होते हुए बडी हुई । वह एक लडके की तरह बडी हुई । वे राजा से जुडी गतिविधियों में शामिल होने के कारण अवंतिका की मां हमेशा उसकी शादी के बारे में सोचकर चिंताग्रस्त थी ।

एक दिन अवंतिका ने अपनी मां से कहा कि मां मेरी शादी के बारे में परवाह न करें, मैं एक ऐसे व्यक्ति से शादी करूँगी जो इस राज्य में शासन करने केलिए योग्य हैं । उस रात उसने एक लडके के तरह कपडे पहनकर घोडे के साथ अपने घर से जंगल में भाग गई । लगातर यात्रा करने पर वह थक गई और मानसरोवर झील में कुछ आराम करना चाहती थी । आराम करते समय वह गहरी नींद में चली गई, कुछ समय के बाद उसने एक बाघ की आवाज़ सुनी । अपनी आंखें खोलने पर बाघ उस पर कूदने लगा, अवंतिका ने अपनी रक्षा केलिए बाघ के पंजे पर हाथ रखा । इस अवसर पर वह घायल हो गई और उसके हाथ से खून बहने लगा और वह बेहोश हो गई । लेकिन अचानक एक आदमी आया और उसने बाघ को मारकर उसे बचा लिया ।

कुछ समय बाद उसने अपनी आंखें खोलीं और तब वह एक बांस की झोपडी में थी और उसका घायल हाथ दवा से ठीक हो रहा था और उसने झोपडी के बाहर उस व्यक्ति को पाया जिसने उसकी जान बचाई थी । आदमी ने अपना परिचय दिया कि "मैं अभिमन्यू हूँ, मुझे सर्जरी और रोगों केलिए उचित दवा देने में विशेषज्ञता प्राप्त है" । उन्होंने सोचा कि बचाते वक्त अवंतिका एक लडका था, लेकिन उसकी चिकित्सा करते समय, उन्होंने पाया कि वह लडकी है । अभिमन्यु ने उसके बारे में पूछा, लेकिन उसने उसके बारे में यह नहीं कहा कि वह कोसल साम्राज्य की राजकुमारी है, वह आसपास के गांवों में काम की तलाश में रहनेवाले एक गुलामी के रूप में अपना परिचय दिया । वह अभिमन्यु में अनुरक्त थी, वह सुंदर है और सर्जरी और औषधीय संबंधी गतिविधियों में निपुण है । वह अपनी पसंद के बारे में उनसे कहना चाहती थी । अपना हाथ ठीक होने तक वह झोपडी में रही और बिना कुछ बताए बिना वह वहां से निकल पडी । उसने झोपडी से पूर्वी पहाडों की ओर अपनी यात्रा शुरू की, कुछ समय बाद वह एक असुर से मिला, जिसे एक सींग है, जो उसे अपनी गुफा में ले गया और उसे कैद कर लिया । बाद में असुर उसके पास आया और कहा कि "मैं तुमसे शादी करना चाहता हूँ" और यह कहकर वहां से चला गया ।

अवंतिका अपनी हालात के बारे में सोच रही थी, मैं केवल अपनी बुद्धि से ही यहां से बच सकती हूँ और इसके लिए वह सोचने लगी । कुछ समय बाद असुर उसके पास आया और कहा कि हम अब शादी कर सकते हैं । अवंतिका ने असुर से बताया कि, "एक ज्योतिषी ने कहा कि मैं एक ऐसे व्यक्ति से शादी नहीं कर सकती हूँ, जिसे एक हाथ, एक पैर और एकल चीजें हैं ।

सिरकी दुर्गा प्रसाद
कार्यपालक प्रशिक्षार्थी (वित्त)

आपके पास एक सींग है । अगर मैं आपसे शादी करूँगी, तो आप मर जाएंगे ।" अवंतिका ने कहा कि, "अपने सींग दो बना लो, तब आप अच्छे और सुंदर लगेंगे, तब मैं तुमसे शादी करूँगी" । तब असुर ने अवंतिका से पूछा कि, "यह कैसे करना है" । अवंतिका ने बताया कि, "मैं अभिमन्यु नामक एक व्यक्ति को जानता हूँ, जो सर्जरी में विशेषज्ञ हैं, उस व्यक्ति ले आओ और अपने सींग को दो बना दें ।" यह बात सुनकर असुर ने सहमत हुई और कहा कि "मैं अपने पिता के दो सींगों को अपने सिर पर रखूँगा, और मुझे ज्यादा शक्तियां मिलेंगी ।" असुर ने वहां से चला गया, इस दौरान अवंतिका ने गुफा में एक भागने का रास्ता खोजने लगा, लेकिन उसे सोने के सिक्के के अलावा और कुछ भी नहीं मिला ।

असुर ने जाकर अभिमन्यु को अपनी गुफा में ले आया । अभिमन्यु ने असुर के एक सींग के बदले में दो सींगों को रखने केलिए सर्जरी करना शुरू की । इस अवसर पर असुर को बेहोश करने केलिए औषधीय दवा का उपयोग किया । असुर बेहोश होने पर, अवंतिका ने उसे वहां ले जाने केलिए अभिमन्यु से बताया । लेकिन वह उसे नहीं ले गया, उसने असुर को होश आने तक इंतजार किया । असुर ने अभिमन्यु की कौशल की प्रशंसा की और पूछा कि, "आपको क्या चाहिए ? ', तब अभिमन्यु ने जवाब दिया कि, "मुझे पैसा नहीं चाहिए, इसके बजाय आप उसे छोड दें" । असुर ने बताया कि, "मैं उससे शादी नहीं करना चाहता हूँ, क्योंकि मुझे दो सींग मिले हैं, मेरे असुर परिवार में मैं एक सींगवाला व्यक्ति हूँ, इस कारण मेरी शादी नहीं हुई । मेरी चचेरी ने एकल सींग के कारण मुझे इनकार कर दिया, अब मुझे दो सींग मिल गया, अब मैं उससे शादी करूँगा ।'

उसके बाद अवंतिका ने अभिमन्यु से कहा कि, "मुझे दो बार बचाने केलिए धन्यवाद, यह पूरा सोना आप केलिए हैं", कहते हुए अवंतिका गुफा छोडकर अपने राजमहल में चला गया। उसने सोचा कि वह उससे शादी नहीं करेगी ।

कहानी की नैतिकता

" जो लोग अपनी सफलता हासिल करने जा रहे हैं और वे सफलता तक पहुँचने के अंतिम चरण में है, तो, उन्हें समझदारी से काम लेना चाहिए, कुछ मूखतापूर्ण निर्णयों के कारण वे सफलता को नष्ट कर देते हैं, जिनकेलिए कोशिश की है । "

एक दुर्घटना

दिनांक 04 मई 2010 की बात है, जब मेरे प्रिय दोस्त और साथियों का आँखों देखी दुर्घटना घटित हुई, जो करीब 400 मीटर की दूरी में हुई थी। जिसे आज तक मैं भूल नही पाया हूँ। जब भी कोई दुर्घटना को मैं देखता हूँ तो यह हादसा मेरे सामने आ जाता है। यह चोट मेरे दिमाग में छप गया है और इसे मिटा नहीं पाया हूँ।

मेरे प्रिय दोस्त का नाम अश्विनी पटनायक एमआई- 26 हेलीकोप्टर का उडान इंजीनियर था। वे दस दिन के अस्थायी ड्यूटी पर जम्मू आए थे। उनका काम भारतीय रेल के भारी उपकरण को कार्यस्थल में पहुँचाना था। उस समय जम्मू- कटरा का रेल योजना चल रहा था। इसलिए उनको यह कार्य सौंपा गया क्योंकि एम आई- 26 हेलीकोप्टर विश्व का सबसे बडा जहाज है। यह 20 मैट्रिक टन भार उठा सकता है जिस से भारतीय रेल का कार्य बडी आसानी से हो सकता है। इस चुनौतीपूर्ण कार्य को करने केलिए उनका हेलीकोप्टर दिनांक 25 अप्रैल 2010 को जम्मू पहुँचा। उस दिन मेरा दोस्त मेरे घर आया और हम दोनों ने खूब बाते की और एक साथ भोजन भी किया। उस समय जम्मू में दूसरे राज्यों के फोन का सिम कार्ड काम नहीं करता था इसलिए उसने मेरा सिम लिया और अपने परिवार से बाते की। दूसरे दिन से उनका कार्यक्रम शुरू हो गया और करीब 03 उडाने भरी गई, जिसमें अधिक से अधिक उपकरण कार्य स्थल में पहुँचा दिया गया था। जब हेलीकोप्टर वापस आ रहा था तो तकनीकी समस्या आ गई और सभी कार्यक्रम रोक दिए गए। हेलीकोप्टर टेक्निशयन उस तकनीकी समस्या का हल सुलझाने में जुड गए। उन्होंने रात भर काम किया। भारतीय रेल का कार्यक्रम जल्द से जल्द निपटाना था। तकनीकी कर्मचारी ने कार्य को खत्म किया और सुबह 0600 बजे हेलीकोप्टर को शुरू किया और सभी तकनीकी पैरामीटरों की जांच की और जहाज के कप्तान ने सही 'करार' दिया। कुछ समय के बाद भारतीय रेल के कर्मचारी ने उपकरण को लोड किया। हेलीकोप्टर उडान भरने केलिए तैयार हो गया।

हमेशा की तरह मैं अपने तकनीकी क्षेत्र में अपने हेलीकोप्टर को तैयार कर रहा था, उस समय मुझे अपने दोस्त का फोन आया और करीब 10 मिनट तक हमने बाते की। उसने मुझे कहा मैं अभी उडान भरने वाला हूँ। मैं अपने काम पर व्यस्त था। उस बीच मैं तकनीकी अधिकारी से बाते करने लगा, तब उनका हेलीकोप्टर प्रस्थान केलिए प्रारंभ हुआ। मेरे तकनीकी अधिकारी ने पूछा कि इनकी समस्या का समाधान हो गया, बातों बातों में हम उस हेलीकोप्टर को देख रहे थे। कुछ समय में ही हेलीकोप्टर ने जमीन छोड दिया और हवा में कुछ समय तक ठहरा और धारे-धारे आगे बढने लगा। करीब 50 मीटर आगे चलने के बाद हैलीकोप्टर बाए तरफ मुडा और जमीन पर पत्थर जैसे गिर पडा। यह हादसा देखते ही मैं दंग रह गया और जोर से चिल्लाने लगा..... हेलीकोप्टर गिर गया। मैं अपने कार्य स्थल से दौडने लगा, साथ में दूसरे लोग भी दौडने लगे। यह हादसा मेरी तकनीकी क्षेत्र से 400 मीटर की दूरी पर हुआ, मुझे खुद पता नहीं चला कि मै कैसे चंद मिनटों में घटना स्थल में पहुंच गया। उस वक्त दमकल दल और अन्य गाडियां वहां पहुँच गई। मैं जोर से चिल्लाने लगा मेरा दोस्त कहा है, उस वक्त मुझे रोने की आवाज आई, तभी उस जगह की ओर मैं भागा, देखा, तो मेरा प्रिय मित्र उपकरण के बीच फँसा हुआ था। क्रेन की सहायता से भारी उपकरणों को निकाला गया, तब तक मेरे मित्र की होश जा चुकी थी और उसके शरीर के कई भागों से खून बह रहे थे, उसे एम्बुलेंस में लिटा दिया गया। उस बीच हमने दूसरे लोगों को भी निकाला, सारे विमान कर्मचारी को सेना अस्पताल में पहुँचाया गया। दो कर्मचारी की चोट गंभीर थी क्योंकि उनकी रीड की हड्डी टूट गई थी और 10 प्रतिशत शरीर जल गया था। 24 घंटे के बाद सभी 06 व्यक्ति खतरे से बाहर निकलने की सूचना हमें मिली। यह सूचना मिलने के बाद मेरी सांसे ठीक तरह से चलने लगी थी। क्योंकि मुझे उसके परिवार वालों को अश्विनी को हुई घटना के बारे में बताना था। ऊपर वाले की कृपा से सभी लोग बच गये।

आर अरुण
वरिष्ठ स्टोरकीपर

मेरा मित्र 3 हफ्ते तक अस्पताल में था, इस बीच उसके परिवार वाले उसे मिलने आए। इस बीच उसका सारा जख्म भर गया था और अपने परिवार के साथ चंडिगढ लौट गया। मैं ईश्वर का शुक्र गुजार हूँ कि हेलीकोप्टर में आग नहीं लगी, नही तो यह 6 जवान राख हो जाते। इस दुर्घटना से मेरे मित्र को गहरा सदमा पहुँचा था। करीब एक साल लग गया उसे इस सदमे से बाहर आने केलिए। तीन साल के बाद उसने फिर से हेलीकोप्टर में उडान भरी। अब वे अपने परिवार के साथ हुशहाल जिन्दगी बिता रहे हैं।

एक मददगार पल

इग्नेशियस बेबी
उच्च प्रशिक्षार्थी

14 अगस्त 2018

हमेशा की तरह, बारिश के मौसम की एक सुबह । बोर्ड की बैठक होने के नाते और इस सिलसिले में रूपा शेखर रॉय के संपर्क कार्य के कारण मैं उस दिन जल्दी निकल पडा । भारी बरसात हो रही थी । फिर भी प्रकृति के इस अद्‌भुत प्रवाह को मेरे मन में बहुत ही खुशी के साथ स्वीकार किया । भारी बारिश के बीच में भी मैं पैदल चलकर स्टेशन पर पहुँचा, लेकिन प्लाटफार्म पर एक पैर रखते ही मैं गिर पडा । तब हाल ही में खरीदा मेरा नया फोन नीचे गिर पडा । झटपट खडे होकर पीछे की ओर मुडा । चलते समय मैंने घर पर फोन किया ।

'मां, मेरा नीला शर्ट जो ऊपर कमरे में है, उसे जरा इस्तिरी लगाके रख दो ।'

बारिश में भीगकर मैं चल पडा । यार्ड में आया । एक दिन बीत गया । शाम को रूपा माडम को वापस जाना था । बारिश तब भी जोर से बरस रही थी । एर्णाकुलम से कंडैनर सडक मार्ग से हवाई अड्डे की ओर निकल पडा । गाडी पहला गोश्री पुल चढकर उतरने के बाद बायें ओर मुडी । आगे लंबे रास्ता है, वहां का दृश्य मन को एक साथ डराने व उत्साहित करनेवाला था । आसमान जिस प्रकार भूमि से मिला हुआ है उसी प्रकार बादल सडक को चूमकर पानी बरसा रहा था । आगे का दृश्य दिखायी नहीं दे रहा था । मैं और ड्राइवर एक पल केलिए आपस में देख रहे थे । हरेक के मुँह में भय छाया हुआ था । ड्राइवर कोषिक्कोड का रहनेवाला था । वे वहां के भारी बारिश, बारिश के कारण वहां हुई दुर्घटनाओं के बारे मे बता रहे थे ।

हम दोनों की चुप्पी को तोडते हुए रूपा मैडम ने पीछे से बोला कि,

'आज हवाई नहीं उडेगा, नहीं उडेगा ।'

हम दोनों ने भय को बाहर न दिखाते हुए एक ही स्वर में आपस में बोला,

'उडेगा जरूर ।'

नेडुम्बाश्शेरी तक बारिश से भीगे हुए दृश्य दिख रहे थे । रास्ते में कोई अडचन नहीं हुआ । हम सीधे हवाई अड्डे तक पहुँच गए । एक दिन के बाद बारिश से पानी भरने के कारण हवाई अड्डा बंद कर दिया गया ।

16 अगस्त 2018

स्वतंत्रता दिवस की छुट्टी के बाद बारिश को अनदेखा कर मैं स्टेशन की ओर निकल पडा । कहीं भी कोई नहीं था । बारिश की आहट से सब कहीं सन्नाटा फैली हुई थी । स्टेशन में पहुँचने पर पता चला कि कोई रेलगाडी चल नहीं रही है । मैं वापस गया । टीवी में सब कहीं नदी, झील आदि सभी जगह को निगलनेवाला दृश्य दिखा रहे थे । यह सब देखकर बहुत ही डर लगने लगा । मैंने निश्चय किया कि "आज मैं कहीं भी नहीं जाऊँगा" । बाद में जिजो ने ऑफिस से फोन किया और बताया कि "आना चाहते हैं तो आओ, आलस्य है तो नहीं" । यह कहकर फोन रख दिया । इसके बाद, मैं ने बस में ऑफिस जाने केलिए तय किया । मैं अंगमाली से केएसआरटीसी में चढ गया । अत्ताणी के बाद कोट्टायी परम्बयं में पहुँचने पर सडक के दोनों किनारों पर पानी सडक के बराबर आ चुका था । भारी बारिश हो रही थी । जब परवूर जंक्शन में पहुँचा तो नदी और किनारा एक साथ होने का दृश्य दिखाई दिया । ऐसा दृश्य मैं पहली बार देख रहा हूँ । इस उत्सुकता में मैं वहां उतरने और वापस जाने के बारे में भूल ही गया । जब आलुवा पहुँचा तो पता चला कि वहां से और वहां तक अब कोई बस नहीं है । बस से उतरने के बाद मैं ऑफिस की ओर चल पडा । कंपनीप्पडी में आते वक्त देखा कि सडक को पार करते हुए एक नहर बह रहा था । सडक के पूर्वी भाग पूरी तरह पानी में डूब चुका था ।

आगे निकलकर, कलमश्शेरी में पहुँचा तो वहां बारिश का कोई असर ही नहीं हुआ था । बारिश की शक्ति कम हो रही थी । मन में कुछ आशा आने लगी । ऑफिस पहुँचा । सब हमेशा की तरह करने लगा । दोपहर के बाद टाइम ऑफ मिला । बस पकडकर आलुवा में गया । कलमश्शेरी में आने पर, पता चला कि जाने केलिए आगे बस और कोई वाहन नहीं है । बस से उतरकर आगे बढा । पुल के नीचे के पानी का प्रवाह अति कठोर था। आगे चलने पर, बडे बडे वाहन वहां ठहरे हुए दिख रहे थे । दोनों किनारों पर पेरियार नदी बडी जोर से बह रही थी । केवल एससीएमएस मुट्टम, कॉलेज का नाम ही पानी के नीचे आना बाकी था । कंपनीप्पडी आते वक्त सडक पर छाती तक पानी था । वहां इकट्ठे हुए लोगों ने बताया कि "आगे नहीं जा सकते" । पास ही रेलवे स्टेशन था। वहां से जाने केलिए तय किया । वहां आने

पर कुछ लोग मेट्रो स्टेशन की ओर दौडते हुए देखा । मैं भी उस तरफ गया, तब एक ट्रेन खडी हुई थी । मैंने भी उसमें एक सीट पकड ली । ट्रेन धीमी गति से चल रही थी । नीचे का दृश्य बहुत ही भयानक था । सब कहीं पानी ही पानी था । इस दृश्य को उत्साह से देखनेवाले, अपनी जान को पकडकर घर से निकलनेवाले, दूसरों को बचाते हुए लोग, पुलिसवाले, चैनल के लोग इस तरह के बहुत सारे लोग सब कहीं थे । ट्रेन के सभी आलुवा में समाप्त होनेवाली अपनी यात्रा के बारे में सोचकर चिन्तित थे । तत्संबंधी चर्चा हर तरफ फैली हुई थी । जब आलुवा में आया तो वहां एक बडी माल गाडी जाने केलिए तैयार हुई नजर आयी । उस गाडी में बैठे एक व्यक्ति से हाथ उठाकर पूछा कि 'उत्तर की ओर जा रहे हो', तब उसने मेरा हाथ खींचकर गाडी के अंदर डाल दिया । वह एक दाढीवाला था जो तृश्शूर में रहनेवाला है । उनसे बातें करने पर स्वयं बचने के परे, दूसरों को एक मदद देने की स्थिति में मैं आ पहुँचा । बाद में रास्ते में आए सभी लोगों को गाडी में लेकर आगे बढे । सुबह आते समय, सीमित रूप से पानी से भरे जगहों में अब छाती भर पानी आ चुका था । ऊँची गाडी होने के कारण, इन परिस्थितियों से गुजर गया । उस दिन के चार-पांच घंटे की यात्रा के बाद, आगे के दो-तीन दिन में मैं, अपने आसपास के लोगों को एक मदद देने की मनोदशा अर्जित कर रहा था ।

निव्या नारायणन
उप प्रबंधक

हिंदी भाषा का भविष्य

हिंदी' जो एक हजार साल पुरानी भाषा है, उसे भारत देश की राजभाषा के रूप में स्वीकारा गया है। हिंदी भाषा में अधिकतर शब्द संस्कृत के तत्सम और तद्भव से लिए गए है। कहा जाता है कि आर्य संस्कृति में हिंदी भाषा का अधिक असर था। इतिहास की इन्हीं तथ्यों के कारण भारत, जो कि एक विविधता वाला देश है, वहाँ 41.03% लोग (जनगणना 2001 के अनुसार) हिंदी को अपनी प्रथम भाषा के रूप में स्वीकार करते है और 43.06 % लोग हिंदी भाषी है।

अब हिंदी भाषा का महत्व संविधान में लिए जाने की बात पर जोर डालते है। अंग्रेजों की गुलामी के कारण भारत के सभी राजकाज अंग्रेजी भाषा में हुआ करते थे। आजादी के बाद सभी क्रांतिकारी दलों और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने यह अध्ययन किया कि, देश में भले ही विविध भाषाएँ बोली जाती है, परंतु हिंदी भाषा अधिक लोगों को जुडने में सक्षम है। इन्हीं बातों को ध्यान में रख 14 सितंबर 1949 में हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकारा गया। 26 जनवरी 1950 को जब संविधान लागू किया गया, हिंदी भाषा का जिक्र अनुच्छेद 343 (1 और 2) में किया गया। उस समय देश में अंग्रेजी भाषा का अधिक प्रचलन होने के कारण, भारत सरकार ने 15 साल की छूट रखी, ताकि 1965 तक हिंदी को राजकाज के कामों में पूर्ण रूप से अपनाया जा सके।

परंतु दक्षिण भारत जो द्रविड संस्कृति से प्रेरित था, जिसमें हिंदी भाषा का असर इतना ज्यादा नहीं था। उन्होंने इस बात पर विरोध किया, फलस्वरूप 1963 में हिंदी और अंग्रेजी दोनों को राजकार्य केलिए अपनाया गया।

भाषा का असली महत्व बोल - चाल यानी संचार केलिए है, यह लोगों को अपने विचार, नई सोच आदि व्यक्त करने केलिए लाभदायी होती है। हालांकि भारत में 22 प्रतिष्ठित भाषाएं है, परंतु सभी लोगों को जोडने का काम एक ही भाषा कर सकती है, वो हिंदी भाषा है।

इन्हीं बातों को ध्यान रख सरकार (भारत) ने हिंदी भाषा के महत्व के बारे में दक्षिण भारत में प्रचार किया। परंतु समय गुजरते गुजरते हिदी और अंग्रेजी की इस जंग में 'इंगलिश' भाषा का उत्पन्न हुआ। जिसमें हिंदी भाषा के बीच इंगलिश भाषा का प्रयोग किया जाने लगा। इस नई भाषा से हिंदी भाषी तो बडे परंतु हिंदी भाषा की शुद्धता कहीं खो गई।

स्व. डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम जोकि भारत के पूर्व राष्ट्रपति रह चुके थे, उनके अनुसार 'विश्व में विकास केलिए दो दशकों तक अंग्रेजी भाषा का अधिक प्रयोग होगा, तो अंग्रेजी सीखना अनिवार्य हैं, परंतु उसके बाद विकास केलिए हिंदी का प्रयोग बढना चाहिए, जो हमें जापान की तरह विकसित बनने केलिए सक्षम करेगा।' उनकी बातों से यही प्रतीत होता है कि एक भाषा जो देश को एकजुट कर आगे बढा सकती है, वो हिंदी है और देश की गोपनीयता केलिए जरूरी भी है।

प्रेमकुमार मोटीलाल जोषी
कार्यपालक प्रशिक्षार्थी

हिंदी के महत्व से हट कर, अब उसके न होने की बातों पर जोर देते हैं। भारत विविध भाषी राज्य हैं, कोई राज्य अच्छी नीतियाँ बनाता भी हो, वो दूसरे राज्य भाषा ना जानने की दिक्कत से नीतियाँ समझ नहीं पाते और अंततः स्थिति देश के विकास पर ही आती हैं। आज भाषा के इस विवाद से दक्षिण भारत अलग सा प्रस्तुत होता है, जिसके जिम्मेदार कुछ राजनेता है, जो अपने स्वयं के लाभ केलिए लोगों को जुडने में अडचन पैदा कर रहे हैं।

केंद्र सरकार की हिंदी भाषा के प्रचलन की नीतियों के कारण देश के सभी स्वायत्त संस्थाओं ने अपनी राजकाज की भाषा में 'हिंदी' को बढाने में जोर दिया है।

देश एक तरफ इसरो की मदद से चाँद पर खोज कर रहा है और एक तरफ लोग भाषा के नाम पर लोगों को बाँटने का काम कर रहे हैं। देश के सभी महापुरूषों ने इस बात पर अमल किया है कि 'देश के विकास केलिए एक राष्ट्रभाषा होनी ही चाहिए और हिंदी भाषा इस समस्या का निवारण है।

परम पुज्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने कहा है कि 'राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूँगा है। बापु की इन्हीं बातों की झलक हमें वर्तमान में देखने को मिल रही हैं। वैज्ञानिक है, विज्ञान है, नई सोच भी है परंतु भाषा ने संचार का माध्यम रोक रखा है, लोगों में एकजुट ना होने की बातों को प्रेरित करती है। एक दूसरे की संस्कृति समझनें में अडचने पैदा करता है।

हिंदी भाषा जो भविष्य में भारतवासी और भारत देश को विश्व में छाप छोडने की अनमोल पूँजी है। जो देश के हर धर्म , संस्कृति और मान्यताओं को जोडती है, ऐसी इस पवित्र भाषा को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार करने की बात पर मैं अमल देता हूँ।

अंत में स्वामी दयानंद सरस्वती जी की बात पर इस निबंध पर लगाम देता हूँ।

' भारत को हिंदी भाषा से एक सूत्र में पिरोयां जा सकता है।'

सीएसएल में स्वच्छता पखवाडा

स्वच्छ भारत मिशन के हिस्से के रूप में देश में अपने शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को बढावा देने हेतु देशव्यापी अभियान, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित सभी सरकारी प्रतिष्ठानों ने दिनांक 14 सितंबर 2018 से 02 अक्तूबर 2018 तक स्वच्छता पखवाडा मनाया गया।

पोत परिवहन मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, भारत के प्रमुख शिपयार्ड में से एक होने के नाते, भारत सरकार ने भी इसी अवधि के दौरान स्वच्छता पखवाडा मनाया।

अभियान के भाग के रूप में सभी श्रेणियों के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कामगारों और प्रशिक्षणार्थियों सहित स्वयंसेवकों ने विभिन्न अभियानों में भाग लिया जैसे यार्ड में निराई- गुडाई, कचरे को हटाना आदि। जागरूकता नियमित रूप से आयोजित किए गए और निबंध लेखन, नारा प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में पोत निर्माण और पोत मरम्मत विभाग द्वारा नियमित स्वैच्छिक हाउसकीपिंग गतिविधियों का आयोजन भी किया गया।

गतिविधियां

1. कार्यस्थल और कार्यालय परिसर में पीने का साफ पानी सुनिश्चित करना।
2. आंतरिक सडकों की सफाई और पुन निर्माण
3. प्रचालन क्षेत्रों में सभी शौचालय परिसरों का आधुनिकीकरण
4. सभी कार्यालय भवनों की पेंटिंग/सफेदी करना।
5. सभी जल निकासी की सफाई और मरम्मत।
6. अवांछित पौधों की कटाई और पेंडों की छटाई।
7. यार्ड क्षेत्र के अंदर आधुनिक संकेत बोर्डों का निर्माण।
8. सडक के संकेतों, जीबरा क्रॉसिंग, फुटपाथ किनारों आदि का पेंटिंग।

अगस्त 2018 में समूचे केरल राज्य में आई विनाशकारी बाढ के कारण, जीवन, मकान संपत्ति आदि का भारी नुकसान हुआ, और इस अवसर पर केरल के एक प्रमुख समाचार पत्र प्रकाशन ने सीएसएल से संपर्क किया कि वे उनके साख मिलकर कुछ बाढ राहत कार्यों को करने में मदद करें। इनमें से एक प्रस्ताव उन कुओं को साफ करना था जो प्रदूषित पानी से नष्ट हो गए थे। ये कुए उन गरीब घरों के लोगों का था जो पीने के पानी के लिए उन कुओं पर निर्भर करते थे। इन पीडितों की मदद हेतु एर्णाकुलम जिले के 500 लाभार्थियों को सफाई केलिए चुना गया।

सीएसएल भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन केलिए प्रतिबद्ध है और वर्ष 2018-19 केलिए अपने कुल सीएसआर बजट का 33% (335 लाख) निर्धारित किया है। जुलाई- सितंबर 2018 तिमाही के दौरान सीएसएल ने निगमित सामाजिक दायित्व के तहत स्वच्छ भारत परियोजनाओं/ गतिविधियों केलिए 17.82 लाख रुपये की राशि की खर्च की।

स्वच्छ भारत अभियान केलिए कोचीन शिपयार्ड के हस्तक्षेप में यार्ड के भीतर और बाहर कई गतिविधियां शामिल है।

1) स्वच्छ भारत अभियान के एक हिस्से के रूप में और केरल के कुल स्वच्छता मिशन में योगदान देने के प्रयास के रूप में, कोचीन शिपयार्ड ने पनंपिल्ली नगर, कोच्ची के बच्चों के पार्क का नवीकरण और उसके रखरखाव की जिम्मेदारी ली है। इसके लिए अनुमानित कुल राशि 40.00 लाख रुपये था। इस परियोजना को हैबिटैट प्रौद्योगिकी ग्रूप की तकनीकी सहायता से लागू किया गया था।

2) एलप्पी के तटीय क्षेत्र में स्वच्छता प्रयासों को मजबूत करने हेतु, सीएसएल ने तटीय गांवों में गरीब परिवारों को 50 घरेलू शौचालय बनाने केलिए एलप्पी तटीय शिक्षा सोसाइटी को समर्थन दिया है। शौचालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना की लागत 32.50 लाख रुपये है। सीएसएल ने एर्णाकुलम बैकवाटर के पार्क एवन्यू क्षेत्र में स्थित सुभाष बोस पार्क में मूर्तियों का पुन स्थापन और रखरखाव केलिए एक परियोजना का समर्थन किया है। पुन स्थापन कैंपों के माध्यम से विश्व प्रसिद्ध कलाकारों की मदद से यह काम किया गया था। कुल मिलाकर 13 पुरानी मूर्तियों की सफाई और नवीनीकरण किया गया।

कर्मचारी उत्कृष्टता पुरस्कार योजना

निम्नलिखित कर्मचारियों को वर्ष के दौरान 'स्वच्छ भारत पहल' के कार्यान्वयन के प्रति उनके सराहनीय योगदान केलिए उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने केलिए चुना गया था । अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री मधु एस नायर ने मुख्य कार्यालय भवन में दिनांक 11 दिसंबर 2018 को आयोजित एक समारोह में इन कर्मचारियों को पुरस्कार दिए ।

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्री जेम्स एम पी	सहायक इंजीनियर (स्ट्रक्चरल)
2	श्री राजुमोन पी ए	वेल्डर कम फिट्टर
3	श्री शशि ए वी	सहायक इंजीनियर (वेल्डिंग)
4	श्री हरीष कुमार एम पी	वरिष्ठ एमएचईओ
5	श्री कोच्चुमोहम्मद वी ए	सहायक इंजीनियर (वरिष्ठ ग्रेड)
6	श्री निसार के एम	वेल्डर कम फिट्टर
7	श्री उदय राजेष के एस	वेल्डर कम फिट्टर
8	श्री बैजु ए पी	वेल्डर कम फिट्टर
9	श्री बेबी एम टी	क्रेन ऑपरेटर (डीजल)
10	श्री सजी टी ए	क्रेन ऑपरेटर (डीजल)
11	श्री राजू टी सी	क्रेन ऑपरेटर (डीजल)
12	श्री टिनसण फुर्तल	एसएसआरजीआर (ठेके पर)
13	श्री धनरंजन एन	सहायक इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल क्रेन)
14	श्री सुनिल कुमार के बी	वरिष्ठ एमएचईओ
15	श्री रामचंद्रन वी वी	वरिष्ठ हेवी वेहिकल ड्राइवर
16	श्री मैथ्यू एम के	क्रेन ऑपरेटर (डीजल)
17	श्री षाजु पी पी	क्रेन ऑपरेटर (डीजल)

आपका कार्य ही आपके जीवन को अर्थ और उद्देश्य देता हैं। इसके बिना जिंदगी अधूरी हैं।

स्टीफन हॉकिंग

सतर्कता प्रतिज्ञा

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में सतर्कता दिवस, 2018 को सतर्कता प्रतिज्ञा ली । कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर सतर्कता प्रतिज्ञा ली । श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुख्य सतर्कता अधिकारी और निदेशकों ने प्रतिज्ञा दिलायी गयी ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस - सीएसएल में सहज प्रबंधक के रूप में महिलाओं की प्रोन्नति

सीएसएल में दिनांक 08 मार्च 2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का पालन किया गया । श्रीमती रमीता के, वैज्ञानिक - जी, डीआरडीओ- एनपीओएल, कोच्ची ने समारोह का उद्घाटन किया । महिला सशक्तीकरण नीति के भाग के रूप में "महिलाओं की सफलता के दस सूत्र" विषय पर एक अर्ध दिवसीय सत्र आयोजित किया गया । डॉ राजेश्वरी नरेन्द्रन, निदेशक, एमएचआरएम, एमएल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपूर और भारत तथा विदेश के प्रीमियर बिजिनेस स्कूलों के विजिटिंग फैकल्टी ने सत्र का संचालन किया । सभी महिला कार्यपालकों, प्रशिक्षार्थियों, पर्यवेक्षकों और कामगारों ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया ।

उत्पादकता माह

उत्पादकता माह समारोह का समापन समारोह दिनांक 24 अप्रैल 2018 को मेटी सम्मेलन कक्ष में अपराह्न 1500 बजे आयोजित किया गया।

डॉ सजी गोपीनाथ, सीईओ, स्टार्ट अप मिशन, तिरुवनंतपुरम मुख्य अतिथि थे। उन्होने 'उद्योग 4.0" संकल्पना पर सभा को संबोधित किया।

मुख्य अतिथि श्री डी पॉल रंजन, निदेशक (वित्त) और श्री बिजोय भास्कर, निदेशक (तकनीकी), सीएसएल ने पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और साथ ही सीएसएल में उत्पादकता माह समारोह के संबंध में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। समारोह में विभागाध्यक्ष, अन्य अधिकारी, पर्यवेक्षक और कामगार शामिल थे। निम्नांकित निश्चित अवधि के ठेके के कर्मचारी/ उच्च प्रशिक्षार्थियों को दिनांक 24 अप्रैल 2018 के उत्पादकता माह समारोह के समापन समारोह में उत्पादकता उत्कृष्टता पुरस्कार के तहत अध्यक्ष की प्रशस्ति / सराहना प्राप्त हुई।

निप्पे के खतरे का मुकाबला करने केलिए सीएसएल का योगदान

घातक निप्पा बुखार के फैलाव का सामना करने के कार्यकलापों की ओर सीएसएल ने केरल सरकार को 25 लाख रुपए का योगदान दिया।

श्री एम डी वर्गीस, मु.म.प्र, सीएसआर के प्रभारी और श्री नीलकंठन, म.प्र (सामग्री) ने 25 लाख रुपए का चेक कोषिकोड में आयोजित समारोह में माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती शैलजा टीचर को सौंपा। फोटो में श्री टी पी रामकृष्णन और श्री ए के शशीन्द्रन, मंत्रीगण भी दिखाई दे रहे हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड दिनांक 26 जनवरी 2019 को गणतंत्र दिवस बडी धूमधाम से मनाया गया । अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने झंडा फहराया और सीआईएसएफ और मेटी प्रशिक्षार्थियों द्वारा प्रस्तुत गार्डर ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया । इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कर्मचारियों को कार्य-निष्पादन उत्कृष्टता पुरस्कार वितरित किया गया । राजभाषा गृह पत्रिका 'सागर रत्न' का विमोचन निदेशक (वित्त) ने किया । उन्होंने इसकी एक प्रति श्री एम डी वर्गीस, मुख्य महा प्रबंधक (औद्योगिक संबंध एवं प्रशासन) को प्रदान की ।

कर्मचारी उत्कृष्टता पुरस्कार - 2019

अध्यक्षीय प्रशस्ति पत्र	
बिजीश वी बी, फिट्टर इलेक्ट्रिकल	
ग्रूप प्रशस्ति पत्र	
1.	प्रदीप कुमार सी एस, वेल्डर कम फिट्टर (एसटी) राहुल एस नायर, वेल्डर कम फिट्टर (एसटी)
2.	श्रीजित्त के पी, सहायक इंजीनियर (मशीनिस्ट) अभिलाष पी, वेल्डर कम फिट्टर (एमटी) प्रदीप एन वी, रिग्गर
3.	धर्मलिंगम के, सहायक इंजीनियर (इलेक्ट्रोनिक्स) बाबु के, जेटीएईटी-वरिष्ठ ग्रेड जेरॉम ऑब्रि कोरिया, एसएफईटी जॉणी जेकब, एसएफईटी
4.	षिबु एम, मशीनिस्ट राकेश बी, मशीनिस्ट
5.	वेणुगोपालन पी एन, सहायक इंजीनियर (एसटी) जिनॉय टी जे, वेल्डर कम फिट्टर (एमटी) विनोद आर, वेल्डर कम फिट्टर (एमटी)
6.	श्रीजित्त एस, वेल्डर कम फिट्टर (एमटी) सुमेष वी, प्रबंधक रतीष सी पी, जेटीएआईएन - वरिष्ठ ग्रेड राजेष आर, इन्स्ट्रुमेंट मेकानिक लाल के एम, इन्स्ट्रुमेंट मेकानिक

शिपयार्ड परिवार प्रतिभा पुरस्कार 18-19

केरल राज्य पाठ्यक्रम	
अनघा मुकुन्दन	श्री मुकुन्दन सी के सहायक इंजीनियर- वरिष्ठ ग्रेड
संजय कृष्णन	श्री सुनिल कुमार के आर महाप्रबंधक (सामग्री-II)
षहनास एस	श्री अब्दुल सिद्दिक के एम सहायक इंजीनियर - वरिष्ठ ग्रेड
सीबीएसई बोर्ड - साइन्स/कंप्यूटर साइन्स स्ट्रीम	
रिषिकेश के	श्री बाबु के, कनिष्ठ तकनीकी सहायक इलेक्ट्रोनिक्स - वरिष्ठ ग्रेड
श्रीकांत ए एन	श्री नीलकंठन ए एन महाप्रबंधक (सामग्री)
श्रीलक्ष्मी एस उण्णि	श्री जयप्रकाश जी के वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)
नीरज कृष्णन के	श्रीमती सीना एम एस वरिष्ठ प्रबंधक (सामग्री)
गंगा पी	श्री पवनन पी एम सहायक इंजीनियर (पी)
आल्बिन जॉणसण	श्री जॉणसण के एम सहायक इंजीनियर (वरिष्ठ ग्रेड)
के देवश्री मोहन	श्री मोहनदासन के ए सहायक इंजीनियर (वेल्डिंग)

ऊर्जा संरक्षण दिवस

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस हर वर्ष दिनांक 14 दिसंबर को मनाया जाता है । ऊर्जा दक्षता और संरक्षण के महत्व के बारे में व्यापक जागरूकता लाना इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है । उपरोक्त की दृष्टि में, सीएसएल ने दिनांक 14 दिसंबर को मेटी सम्मेलन कक्ष में एक संगोष्ठी आयोजित की गई । संगोष्ठी, श्री सुरेष कुमार एम, अपर निदेशक, पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ, कोच्ची द्वारा संभाला गया । उन्होंने हमारे दैनिक जीवन में ऊर्जा संरक्षण हासिल करने हेतु उपयुक्त मुख्य कार्यों के महत्व पर जोर दिया । उन्होंने लोगों के बीच होनेवाले ऊर्जा संरक्षण के मुख्य कार्यों संबंधी सामान्य गलतियों और गलतफहमियों को समझाया और भागीदारों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया ।

राष्ट्रीय एकता दिवस

सीएसएल में दिनांक 31 अक्तूबर 2018 को राष्ट्रीय एकता दिवस का पालन किया गया । कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता प्रतिज्ञा ली, जो अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशकों द्वारा दिलाया गया था । अपराह्न को श्री जिजी तॉमसण, आईएएस (से.नि.) ने मेटी सम्मेलन कक्ष में कर्मचारियों को संबोधित किया । राष्ट्रीय एकता दिवस के सिलसिले में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं केलिए पुरस्कार इस अवसर पर वितरित किया गया ।

सीएसएल केलिए दूसरा 300 केडब्ल्यूपी सौर ऊर्जा

हरित ऊर्जा की ओर सीएसएल

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने दिनांक 20 अक्तूबर 2018 को एक अतिरिक्त 300 के डब्ल्यूपी ग्रिड से जुडे सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदान की है । श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने औपचारिक रूप से संयंत्र का उद्घाटन दिनांक 12 दिसंबर 2018 को किया । इस अवसर पर सीएसएल के निदेशकों और वरिष्ठ कार्यपालक गण भी उपस्थित थे । इस संयंत्र की शुरुआत से सीएसएल में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र की कुल क्षमता 835 केडब्ल्यूपी बन गया है । सीएसएल वर्ष 2019 में 1 एमडब्ल्यू सौर ऊर्जा तक के लक्ष्य की ओर अग्रसर है ।

हिंदी भाषा की उन्नति का अर्थ है
राष्ट्र और जाति की उन्नति।
रामवृक्ष बेनीपुरी

राजभाषा अधिनियम, 1963

धारा 3 (3)	धारा 3(3) के अनुसार निम्नलिखित दस्तावेजों में अंग्रेज़ी के साथ-साथ हिंदी का प्रयोग अनिवार्य है।
	1. संकल्प 2. साधारण आदेश 3. नियम 4. अधिसूचनाएं 5. प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन 6. प्रेस विज्ञप्तियाँ 7. संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत किए जानेवाले सरकारी कागज़ात 8. संविदा 9. करार 10. अनुज्ञप्ति 11. अनुज्ञा पत्र 12. निविदा सूचनाएं 13. निविदा फार्म

क्रम स	महत्व	वर्ष
1.	हिंदी दिवस	**1949**
2.	संविधान दिवस	**1950**
3.	राजभाषा अधिनियम	**1963**
4.	राजभाषा संकल्प	**1968**
5.	विश्व हिंदी दिवस	**1975**
6.	राजभाषा नियम	**1976**

हिंदी व्याकरण में ध्यान दिए जानेवाले कुछ प्रमुख नियम

1. क्रिया रूप - मानक रूप में 'ये' का प्रयोग न करके 'ए' का प्रयोग मानक माना गया है। जैसेः लिए, गए, चाहिए,कीजिए आदि और 'यी' के स्थान पर 'ई' का प्रयोग मानक होगी। जैसेः गयी/ गई, आयी/आई, लायी/ लाई आदि।

2. शब्द के अंत में आने वाले व्यंजन का उच्चारण 'अ' स्वर के साथ नहीं किया जाता। जैसेः काम, मान, राम आदि।

3. 'ह' से पहले और बाद में यदि 'अ' ध्वनि आए तो 'ह' का उच्चरण 'ए' के रूप में होता है। जैसे शहर, महल, बहन, कहना, रहना आदि।

4. 'य' से पहले 'ऐ' ध्वनि का उच्चारण आई के रूप में किया जाता है । जैसेः मैया, भैया

5. 'व' से पहले 'औ' का उच्चारण 'अउ' के रूप में किया जाता है। जैसेः कौवा, हौवा आदि।

6. 'ऐ' तथा 'औ' का उच्चारण एकल स्वर के रूप में किया जाता है। जैसेः ऐसा, औरत आदि।

7. यदि क्रिया में 'गे' से पहले 'ओ' की मात्रा हो तब अनुस्वार नहीं लगता है, जैसेः करोगे, बचोगे, पढोगे आदि। इसका केवल एक अपवाद है- होंगे

8. हिंदी के शब्द में आनेवाली बिंदी का उच्चारण, बिंदी के बाद आनेवाले अक्षर वर्ग के पांचवे अक्षर का उच्चारण माना जाएगा।

   जैसेः गंगा - क, ख, ग, घ, ङ

   अंचल - च, छ, ज, झ, ञ

   दंड - ट, ठ, ड, ढ, ण

   धंधा - त, थ, द, ध, न

9. जब किसी संज्ञा शब्द में 'इक' प्रत्यय जोडते हैं तब उसके प्रारंभ के 'अ' स्वर को दीर्घ 'आ' कर देते हैं, जैसेः समाज से सामाजिक, व्यवहार से व्यावहारिक, व्यवसाय से व्यावसायिक, प्रकृति से प्राकृतिक, स्वभाव से स्वाभाविक तथा अर्थ से आर्थिक ।

10. विसर्ग केवल तत्सम शब्दों में प्रयुक्त होता है, हिंदी के शब्दों में नहीं। अतः उनका प्रयोग न किया जाए और 'व' के स्थान पर 'आ' का प्रयोग किया जाता है।

    जैसेः हुवा, कौव्वा, गुरुवों, शिशिवों, भालुवों आदि।

11. जब किसी क्रिया के अंत में 'गे' हो तो उसके पहले 'ए' की मात्रा पर सदा अनुस्वार (बिंदी) रहेगै, जैसेः करेंगे, खेलेंगे, आएंगे, पढेंगे, जाएंगे आदि

कभी फूलों की तरह मत जीना
जिस दिन खिलोगे, बिखर जाओगे।
जीना है तो पत्थर बनके जियो
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।

हरिवंशराय बच्चन

यात्री पोत

ब्लॉक निर्माण की शुरूआत

अंडमान एवं निकोबार प्रशासन केलिए निर्माणाधीन 1200 यात्री एवं 1000 मे.ट. कार्गो जहाज़ के ब्लॉक निर्माण का कार्य सीएसएल में दिनांक 07 जनवरी 2019 को आयोजित एक समारोह में शुरू किया गया। समारोह में जहाज़ के मालिक के प्रतिनिधियों सहित निदेशक (वित्त), निदेशक (प्रचालन), मुख्य महा प्रबंधक (मानव संसाधन), अधिकारी, पर्यवेक्षक और कामगार भी इस अवसर पर उपस्थित थे । यह अंडमान एवं निकोबार केलिए निर्मित प्रथम दो पोत हैं । प्रत्येक पोत को 500 यात्री और 150 टन कार्गो तक क्षमता है। सीएसएल उसी मालिक के 1200 यात्री एवं 1000 टन कार्गो की क्षमता के प्रत्येक दो वेसलों का भी निर्माण कर रहे हैं ।

वेसल एक उच्च गुणवत्ता के यात्री पोत के रूप में डिजाइन किया गया है, जो 500 यात्री और 150 मे.ट. कार्गो ले जाने में सक्षम हैं और यह कार्मिक एवं पोत केलिए उच्चतम संभव सुरक्षा और पर्यावरण के उत्तम संभव सुरक्षा के साथ हैं । पोत को 16 नोट गति है । ये चार पोतों की पूर्ति के बाद सीएसएल देश का पहला यार्ड होगा जिसने सबसे बडे अत्याधुनिक यात्री पोतों का निर्माण किया है ।

पोत मरम्मत - आईएनएस विक्रमादित्या

भारतीय नौसेना का गौरव, आईएनएस विक्रमादित्या को दिनांक 25 मई 2018 को दूसरी बार सफलतापूर्वक डॉक किया गया । वर्ष 2016 में की गई मरम्मत की तुलना में, इस लघु एवं समयबद्ध परियोजना के कार्य पैकेज में कई चुनौतियां शामिल थे । पोत मुख्य रूप से अपने सभी चार शाफ्टों के लिग्नम विटे शाफ्ट बेयरिंग के नवीकरण केलिए डॉक किया गया था । मरम्मत कार्य में संपूर्ण अंतर्जलीय हल के ब्लास्टिंग एवं पेंटिंग कार्य और बहुमत टैंकों में पेंट नवीकरण, जो एक प्रतिकूल मनसून जलवायु के बावजूद भी समयबद्ध तरीके से किया गया था । स्टीम टर्बो ड्राइवन टरबाइन्स / ऑक्सिलरेर्स, सर्वीस एयरक्राफ्ट लिफ्ट के मुख्य रूप से मरम्मत की और सभी 06 डीजी पर भी मरम्मत कार्य किया गया । पंप, मोटर एवं वाल्व के ऑवरहाउलिंग और बडी संख्या में पाइप नवीकरण और एलपीएसजी संयंत्र के प्रतिस्थापन सहित बडी संख्या में परिवर्तन एवं संशोधन कार्य भी चार महीने के अत्यधिक संकुचित समय में सफल रूप में किया गया ।

सीएसएल का नया सीमांत - हुगली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

समुद्री परिवहन को सबसे अधिक ईंधन कुशल, लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन प्रणाली के रूप में मान्यता दी गई है। पानी पर सामान ले जाना सस्ता, अधिक भरोसेमंद और सडक या रेल की तुलना में कम प्रदूषण का कारण बनता है। जल पथ आंदोलन सामाजिक, आर्थिक गति, रोजगार सृजन, कार्गो आंदोलन और पर्यटन के विकास में योगदान देते हैं। इसके लिए न्यूनतम भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता है।

भारत 7500 कि मी. से अधिक लंबी तटीय रेखा के साथ धन्य है और यह 14500 कि मी. नौगम्य जलमार्गों का निवास है, जिनमें से 5200 कि.मी. प्रमुख नदियां और 485 कि.मी.नहर यंत्रीकृत पोतों की आवाजाही केलिए व्यावहार्थ है। अप्रैल 2016 मे रखे गए राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम 2016 के अनुसार 111 जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया था। यह 5 प्रमुख राष्ट्रीय जलमार्ग एनडब्ल्यू 1,2,3,4 और 5 सहित 4382 कि.मी. से 20,275 कि.मी. तक जलमार्ग की कुल लेबाई में वृद्धि करेगा।

सीएसएल की पहल

भौगोलिक विकास की दिशा में सीएसएल के प्रयासों के तहत और देश में तेजी से विकसित हो रहे अंतर्देशीय जल खंड में एक प्रमुख खिलाडी के रूप में रणनीतिक रूप से स्थिति के लिए, पोत परिवहन मंत्रालय ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और हुगली डॉक और पोर्ट इंजीनियर्स लिमिटेड के बीच संयुक्त उद्यम के गठन को मंजूरी देते हुए हुगली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (एचसीएसएल) नाम से एक नई कंपनी को अक्तूबर 2017 के दौरान सीएसएल केलिए 60 वर्षों की पट्टे की अवधि केलिए प्रमुख हिस्सेदारी के साथ 22 करोड कू पबंजी का भुगतानसहित शामिल किया गया हैं। तत्पश्चात तीन प्रमुख समझौतों को जैसे शेयरधारक समझौता, रियायत समझोता और पट्टे का समझौता निष्पादित किया गया। सीएसएल और एचडीपीईएल दोनों के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक द्वारा दिनांक 17 नवंबर 2017 को माननीय नौवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में शेयर धारकों के समझौते को निष्पादित किया गया।

एचसीएसएल सुविधा - मुख्य विवरण

1. नजीरगंज कार्य

भूमि क्षेत्र - 15.76 एकड

रिवर फ्रेंट- 546 एम

बिल्डिंग स्लिपेज - 90 मी x 30 मी

टाइडल वेरियेशन - 4 मी.तक

2. साल्किया कार्य

भूमि क्षेत्र - 9.00 एकड

रिवर फ्रेंट- 243 मी.

सूखी गोदी- 94 मी x 13.4 मी x 8.6 मी. ।

गौरी शंकर
श्रीमती आतिरा आर एस का सुपुत्र

टोम्स निर्मल नेल्लिक्कल
श्री निर्मल नेल्लिक्कल का सुपुत्र

फात्तिमत्तु सुहरा ए वाई
श्री यूसफ ए के की सुपुत्री

पूर्णिमा आर नायर
श्रीमती बिन्दु कृष्णा की सुपुत्री

पोल विनोय वर्गीस
श्रीमती लिजा जी एस का सुपुत्र

अभिषेक पी
श्री शशीन्द्रदास का सुपुत्र

राधिका आर नायर
श्रीमती बिन्दु कृष्णा की सुपुत्री

नेहा के बी
श्रीमती सरिता जी की सुपुत्री

पहेली बुझाओ

1

गोल है पर गेंद नहीं
पूँछ है पर पशु नहीं
पूंछ पकडकर खेलें बच्चे
फिर भी मेरे आंसू न निकलते

2

ऊँट की बैठक
हिरन सी तेज चाल
वो कौन सा जानवर
जिसके पूँछ न बाल।

3

लाल डिबिया में है पीले खाने,
खानों में मोती के दाने?

4

पैर नहीं हैं.
पर चलती रहती,
दोनों हाथों से
अपनी मुंह पोंछती रहती।

5

चौकी पर बैठी एक रानी
सिर पर आग बदन में पानी।

6

फूल भी हूँ,
फल भी हूँ और
हूँ मिठाई
तो बताओ क्या हूँ मैं भाई?

1. गुब्बारा, 2. मेंढक, 3. अनार, 4. घड़ी, 5. मोमबत्ती, 6. गुलाबजामुन

विभिन्न कालों में कर्मवाच्य कैसे बनाना है

कृपया नोट करें कि कर्मवाच्य में कर्म के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया का प्रयोग करना चाहिए

काल	शब्द	एकवचन पुल्लिंग	एकवचन स्त्रीलिंग	बहुवचन पुल्लिंग	बहुवचन स्त्रीलिंग
सामान्य वर्तमानकाल	करना	किया जाता है	की जाती है	किए जाते हैं	की जाती हैं
अपूर्ण वर्तमानकाल	करना	किया जा रहा है	की जा रही है	किए जा रहे हैं	की जा रही हैं
भाविकाल	करना	किया जाएगा	की जाएगी	किए जाएंगे	की जाएंगी
सामान्य भूतकाल	करना	किया गया	की गयी	किए गए	की गई
आसन्न भूतकाल	करना	किया गया है	की गयी है	किए गए हैं	की गयी हैं
पूर्ण भूतकाल	करना	किया गया था	की गयी थी	किए गए थे	की गयी थी
चाहिए का प्रयोग		किया जाना चाहिए	की जानी चाहिए	किए जाने चाहिए	की जानी चाहिए
करना है का प्रयोग		किया जाना है	की जानी है	किए जाने हैं	की जानी हैं
किया जाए का प्रयोग		किया जाए	की जाए	किए जाएं	की जाएं

चटकुले

हमारा एडमिन भी गजब है,
वो सवेरे सवेरे बैंक में जाकर सो गया..
क्योंकि , वहाँ लिखा था कि
यहाँ सोने पर लोन दिया जाता है ।

तीन सरदार दरवाजा लॉक होने के कारण कार में फँस गए,
पहला- एक काम करते हैं,
इंजन के रास्ते बाहर निकलते हैं,
दूसरा-नहीं डिग्गी के रास्ते
ज्यादा सही है,
तीसरा-जो करना है जल्दी करो,
बारिश होने वाली है और कार में ऊपर छत भी नहीं है ।

सरदार ने एक नया प्रेशर कुकर ख़रीदा
और दूसरे ही दिन वापस करने पहुंच गया
दुकानदार - आप इसे वापस क्यों कर रहे है ?
सरदार - घर में जवान बेटियां है
.
.
और ये साला सीटियां मारता है .....

पार्टी में लड़की से हंस-हंस कर बातें कर रह पति
के पास पत्नी आई और बोली
चलिये, घर चल कर मैं आपके घाव पे मूव लगा
देती हूँ
पतिः पर मुझे घाव हुआ ही कहाँ हैं?
पत्नीः अभी हम घर भी कहाँ पहुंचे हैं????

स्वच्छ भारत अभियान

पूर्व

पश्चात

पूर्व

पश्चात

पूर्व

पश्चात

पूर्व

पश्चात

प्रकृति की रमणीयता को दर्शाते हुए
श्री टोणी तोमस, *कनिष्ठ तकनीकी सहायक*
द्वारा खींची गई तस्वीर

टोमयास/ Tomyas